केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

तारीफ करने वाला तुम्हारी स्थिति देखता है, और चिंता करने वाला तुम्हारी परिस्थिति देखता है.

वर्ष : 17 अंक : 05 | उज्जैन, सोमवार 15 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

मातृ शक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आर्थिक स्वावलंबन की नई इबारत : लाडली बहना योजना से सशक्त हो रहीं प्रदेश की महिलाएं

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की धरती ने अपने गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। मातृ शक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित बनाने में अपना सहयोग दे रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली में रविवार को आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। इसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमि-पूजन कर लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ शक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार का कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना तीसरे साल में प्रवेश कर रही है, जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना हमारी माताओं बहनों के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाड़ली बहना योजना से मिली राशि से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं। यह उनका समर्पण है, उनका अपना त्याग है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक स्तर में बड़ा सुधार आया है। उन्होंने कहा कि बहनों एवं मातृशक्ति के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। आज उनके मन में शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का विश्वास बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। उनके खेतों के लिए पानी की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा 44 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुँचा गया है। सरकार का लक्ष्य इसे 100 लाख हेक्टेयर तक करने का है। जब किसान के खेत में पानी आता है तो उसके साथ उसके जीवन में बदलाव आता है। दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए भी सरकार कार्य कर रही है। जहाँ सरकार ने गौमाताओं के लिए प्रतिदिन खर्च को बढाया है, वहीं दुग्ध उत्पादन एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए सरकार योजनाएं चला रही है एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों तक लगातार प्रधानमंत्री पद रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की लोकल्याणकारी योजनओं के माध्यम से आज जरूरतमंदों को आवास, स्वास्थ्य सहित समस्त सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। धरती आबा योजना के माध्यम से जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे है।

आवासहीनों को आवास, भूमिहीनों को भूमि के पट्टे मिल रहे हैं और महिलाओं को संबल मिल रहा है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं की समाज एवं परिवार में स्थिति मजबूत हुई है। धरती आबा योजना के माध्यम से जनजातीय समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि सरकार द्वारा आपके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, पात्रता अनुसार उनका लाभ उठाइए।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केसली में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने केसली में सांदीपनि विद्यालय सेकण्ड फेज का कार्य प्रारंभ करने, शासकीय हाई स्कूल चिरचिटा सुखजू में हायर सेकण्डरी स्कूल तक उन्नयन करने, शासकीय हाई स्कूल देवरी, नाहरमऊ, नन्ही देवरी का उन्नयन करने, कृषि उपज मंडी केसली का नाम रानी अवंतिबाई के नाम पर रखने, देवरी में 100 बिस्तरों का अस्पताल स्टाफ सहित प्रारंभ करने की घोषणा की। वहीं मुख्यमंत्री ने केसली क्षेत्र में थावरी जलाशय (लागत लगभग 550 करोड़) की योजना को स्वीकृति दी तथा कहा कि किसानों की इस बहुप्रतीक्षित मांग से क्षेत्र में कृषि के क्षेत्र में क्रांति आएगी। मुख्यमंत्री ने देवरी में प्याज और लहसुन की खरीदी के लिए मंडी में खरीदी केन्द्र बनाने की घोषणा की। शासकीय महाविद्यालय देवरी में विज्ञान संकाय तथा कला संकाय में राजनीति विषय का आरंभ करने, केसली महाविद्यालय में कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने, देवरी नगर का नाम देवपुरी करने की घोषणा की।

न्यूज ब्रीफ

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा फिर उभरा, पूर्व टीडीबी अध्यक्ष के दावों पर विवाद

तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरल में राजनीतिक रूप से संवेदनशील सबरीमाला महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा रविवार को फिर से चर्चा में आया, जब मीडिया में पूर्व टीडीबी अध्यक्ष ए.पद्मकुमार द्वारा 2019 में मासिक धर्म की आयु की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश से संबंधित घटनाओं के बारे में कथित जानकारियों की रिपोर्ट आई। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के तत्कालीन अध्यक्ष पद्मकुमार ने करीबी सहयोगियों से कहा कि उन्हें और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एस श्रीजीथ को जानबूझकर उस दिन सन्निधानम से दूर रखा गया, जब दो महिलाओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सबरीमाला मंदिर में प्रवेश किया। माकपा इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने में हिचकिचा रही है। केरल राज्य के सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि किसी भी स्पष्टीकरण का आना पद्मकुमार से ही होना चाहिए। हालांकि, पूर्व माकपा विधायक और सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में आरोपित पद्मकुमार ने आरोप लगाया कि यह कदम एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रचित था, जिसका पार्टी और उस समय की वाम सरकार में काफी प्रभाव था। पद्मकुमार ने कहा कि उन्हें उस दिन सबरीमाला यात्रा से बचने के लिए कहा गया था और इसके बजाय तिरुवनंतपुरम जाने के लिए कहा गया था। पद्मकुमार सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी मामले में आरोपित बनने के बाद पार्टी से दूर हो गए हैं और फिर जेल जाने के बाद अपनी जमानत पर रिहाई के समय से मीडिया से बात नहीं की है। ये जानकारियां उस समय सामने आई हैं जब माकपा नेतृत्व ने संकेत दिया कि सबरीमाला सोने की चोरी मामले में पद्मकुमार के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

बंगाल में TMC के नेताओं पर हो रहा 'एग अटैक', पुलिस भी परेशान

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपित तृणमूल नेताओं पर खूब सड़े अंडे बरस रहे हैं। तृणमूल नेताओं के साथ उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी भी 'एग अटैक' की चपेट में आ रहे हैं। तृणमूल के कई नेता अदालत ले जाते समय अंडों के निशाने पर आ चुके हैं। चूंकि अंडा कोई प्रतिबंधित वस्तु नहीं है, न ही जानलेवा हथियार है इसलिए कानूनन इसे रोकना आसान नहीं है। पुलिस ढाल, हेलमेट और दूसरे उपायों के सहारे खुद को बचाने की कोशिश कर रही है। इन दिनों सड़े अंडे की मांग भी बढ़ गई है। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल सांसद सौगत राय सबसे पहले उत्तर 24 परगना के निमता में अंडा हमले का शिकार बने। इसके दो दिन बाद दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी को निशाना बनाकर अंडे फेंके गए। इसके बाद पूरे राज्य में यह 'ट्रेंड' जैसा बन गया है। तृणमूल नेता जयप्रकाश मजूमदार, सब्यसाची दत्ता, बाप्पादित्य दासगुप्ता से लेकर अभिजीत चट्टोपाध्याय तक, जहां-जहां तृणमूल नेताओं की गिरफ्तारी या उनके विरुद्ध पुलिस कार्रवाई हुई, वहां-वहां अंडे फेंके जाने की घटनाएं सामने आईं। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के एक सब-इंस्पेक्टर ने कहा- जैसे ही आरोपित को मेडिकल जांच या अदालत ले जाने के लिए थाने से बाहर निकाला जाता है, लोग अंडे फेंकना शुरू कर देते हैं। एक-दो अंडे शायद आरोपित को लगता है, बाकी अधिकतर हमारे शरीर पर आकर फूटते हैं। ज्यादातर सड़े अंडों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उसका तरल पदार्थ वर्दी और शरीर पर फैल जाता है। ड्यूटी के दौरान कपड़े बदलने का मौका भी नहीं मिलता, इसलिए पूरे दिन उसी दुर्गंध के साथ काम करना पड़ता है। अंडों के दाम बढ़ने पर ही लगता है कि इससे हमले बंद होंगे। जानकारों ने बताया कि विरोध जताने के लिए वस्तुएं फेंकने की परंपरा नई नहीं है। प्राचीन रोम में शासकों पर शलजम फेंके जाने के उल्लेख मिलते हैं।

हादसे का सच न छुपाए एटीसी; विमान सुरक्षा को लेकर पूर्व विंग कमांडर ने व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

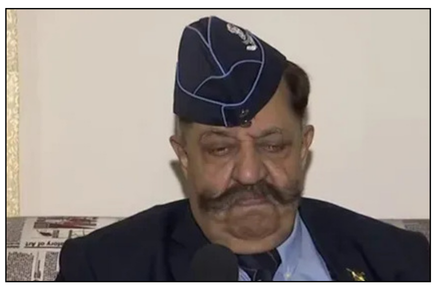

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के जोरहाट एयरबेस पर भारतीय वायुसेना के एएन-32 परिवहन विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर रक्षा विशेषज्ञ प्रफुल्ल बख्शी ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की जवाबदेही पर बड़े सवाल उठाए हैं।

उन्होंने विमान दुर्घटना के मामलों में शुरुआती चरण में ही एटीसी की जवाबदेही तय करने की मांग की। उनके अनुसार, रनवे पर उतरते समय विमान हादसे के कई कारण हो सकते हैं।

उन्होंने संभावना जताई कि अचानक बिजली (पावर) गुल होने से विमान की हार्ड लैंडिंग हुई होगी, जिससे पायलट नियंत्रण खो बैठा और विमान दो टुकड़ों में बंटकर आग की चपेट में आ गया।

इसके अलावा टायर फटने, रनवे से फिसलने, विमान में रखे ज्वलनशील कार्गो या गोला-बारूद में विस्फोट, अथवा बर्ड हिट (पक्षी से टकराने) के कारण भी ऐसा हो सकता है। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए बख्शी ने फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वायस रिकॉर्डर (ब्लैक बाक्स) की भूमिका को अहम बताया। इससे लैंडिंग के समय विमान की गति, गुरुत्वाकर्षण प्रभाव और पायलट एवं एटीसी के बीच हुई आखिरी बातचीत का सटीक पता चल सकेगा। बख्शी ने कहा कि दुनिया भर में यह चलन बन गया है कि एटीसी शुरुआती दौर में बयान जारी नहीं करता और जांच पूरी होने का इंतजार करता है।

एटीसी को तुरंत सामने आकर यह साफ करना चाहिए कि विमान के साथ उसकी आखिरी बातचीत क्या हुई थी।

एनटीए ने परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों के लिए शुरू किया डिजिटल प्रशिक्षण, शिक्षा मंत्री बोले- पूरी तरह पारदर्शी होगा नीट

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी सहित परीक्षाओं की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से परीक्षा संचालन से संबंधित अधिकारियों के लिए 'आइगॉट कर्मयोगी भारत' प्लेटफार्म पर विशेष डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है।

शनिवार को जारी बयान में एनटीए ने बताया कि परीक्षा कर्मयोगी- परीक्षा अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' शीर्षक से डिजाइन किए गए इस प्रोग्राम का उद्देश्य परीक्षा संचालन से जुड़े कर्मियों की क्षमता बढ़ाना और ऑफलाइन, पारंपरिक लिखित परीक्षाओं के सुचारु, सुरक्षित तथा मानकीकृत संचालन को सुनिश्चित करना है।

इस पाठ्यक्रम को विशेष रूप से परीक्षा केंद्र के अधीक्षकों और निरीक्षकों सहित उन परीक्षा कर्मियों के लिए डिजाइन किया गया है, जो एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं, विशेषकर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के संचालन में शामिल होते हैं। इस प्रोग्राम में चार मॉड्यूल शामिल हैं, जो परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को कवर करते हैं।पहला माड्यूल परीक्षा कर्मियों की भूमिका को निष्पक्षता, पारदर्शिता और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के संदर्भ में समझाता है।

दूसरा मॉड्यूल परीक्षा से पूर्व की तैयारियों को कवर करता है, जिसमें परीक्षा केंद्र की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन शामिल है।

हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए खुद ताकतवर बनना होगा, मोहन भागवत बोले- स्वाभिमान से जीने के लिए सामर्थ्य जरूरी

तिरुअनंतपुरम/ जीएनएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप ताकतवर हैं तो आप वेनेजुएला पर भी कब्जा कर लें। इस पर भी कोई कुछ नहीं कहेगा। वह दक्षिण अमेरिकी देश के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका द्वारा हमला कर गिरफ्तार करने की ओर इशारा कर रहे थे।

वह आरसएस के शताब्दी समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम को संबंधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को अपनी रक्षा के लिए ताकतवर बनना होगा, क्योंकि दुनिया केवल उन्हीं की बात सुनती है जिनके पास ताकत होती है। दुनिया आपकी बात तभी सुनेगी, जब आप ताकतवर होंगे। यदि आप सच्चे हैं तो वह आपकी बात नहीं सुनेगी। यि आप ताकतवर हैं, तो झूठ का रास्ता अपनाने पर भी कोई आपत्ति नहीं करेगा। यदि आप जाकर वेनेजुएला पर भी कब्जा कर लें तो भी कोई कुछ नहीं कहेगा क्योंकि आप ताकतवर हैं। दुनिया ऐसी ही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू समाज को ताकतवर बनाने, उसे एकजुट करने और अपनापन की भावना से जोड़ने के लिए काम कर रहा है। हम हमेशा से एक राष्ट्र रहे हैं और वह है हिंदू राष्ट्र।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब आरएसएस हिंदू शब्द का इस्तेमाल करता है तो उसका अर्थ केवल पूजा-पाठ का कोई एक तरीका नहीं होता। हिंदू शब्द के दायरे में पूजा-पाठ के कई तरीके आते हैं। हिंदू हमारी सांस्कृतिक पहचान है, जिसका मतलब है सभ्यतागत पहचान।

जब स्वयंसेवक मुसलमानों और ईसाइयों से मिलते हैं तो हम उनसे कहते हैं कि परंपराओं, पूर्वजों और अपने साथ हर जगह ले जाने वाले सांस्कृतिक प्रभाव के नजरिये से आप भी हिंदू हैं, लेकिन वे इससे सहमत नहीं होते।

आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन इसे सबसे ज्यादा गलत समझा जाता है। बाहर के लोगों को यह संगठन अर्धसैनिक बल जैसा लग सकता है क्योंकि स्वयंसेवक वर्दी पहनकर मार्च करते हैं। सच यह है कि बाहर से आरएसएस को समझना मुश्किल है।

छत्तीसगढ़ में सरकारी सामूहिक विवाह में दुल्हनों को बांट दिए गए नकली मंगलसूत्र

मनेंद्रगढ़/ जीएनएस। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। आरोप है कि सामूहिक विवाह के बाद दुल्हनों को उपहार के तौर पर नकली मंगलसूत्र दिए गए।

चार नवविवाहिताओं ने आरोप लगाया है कि मंगलसूत्र काला पड़ने पर उन्होंने जांच कराई, तो वह चांदी की जगह गिलट (तांबा, जस्ता, निकेल का मिश्रण) का निकला।

मामले की शिकायत कलेक्टर से की गई है। बता दें कि 10 फरवरी को जिले के महामाया मंदिर में 179 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ था। कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की मांग की है। उनका कहना है कि मंगलसूत्रों की खरीद, गुणवत्ता परीक्षण तथा वितरण प्रक्रिया की जांच की जाए और दोषी अधिकारियों व आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बीकानेर में किडनी खराब होने से अब तक छह प्रसूताओं की मौत, चिकित्सा विभाग में हड़कंप

जयपुर/ जीएनएस। राजस्थान में सिजेरियन आपरेशन के बाद प्रसूताओं की किडनी खराब होने का सिलसिला जारी है। बता दें कि पिछले माह कोटा के दो सरकारी अस्पतालों में प्रसव के बाद आठ प्रसूताओं की किड़नी खराब हुई थी। जिनमें से पांच की मौत हो चुकी है।

वहीं जून में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भी ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां अब तक छह प्रसूताओं की मौत हो चुकी है। शनिवार को भी एक और प्रसूता की किडनी खराब होने के कारण आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा। उसका प्रसव आठ जून को हुआ था। स्वजन का आरोप है कि प्रसव के बाद उसकी आंख खराब हो गई। हालांकि, अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. परमेंद्र सिरोही ने कहा कि महिला अभी अचेत है। ऐसे में यह कहना मुश्किल है कि उसको दिखाई नहीं दे रहा है। डॉ सिरोही ने बताया कि प्रसूताओं की किड़नी खराब होने के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें कि कोटा मामले में राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के निर्देश पर गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट में सामने आया कि प्रसव के बाद अधिक रक्तस्त्राव रोकने के लिए लगाए जाने वाला इंजेक्शन आक्सीटोसिन में दवा की जगह पानी भरा गया था। चिकित्सकों ने यही नकली इंजेक्शन लगाया। इस कारण रक्तस्त्राव नहीं रूका और उनकी मौत हो गई। इंजेक्शन की खरीद अस्पताल प्रबंधन ने कोटा में स्थानीय स्तर पर की थी।

भारत इनोवेट्स का उद्घाटन, पीएम मोदी बोले- इनोवेशन इंडिया के DNA में है

नई दिल्ली/ जीएनएस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ भारत इनोवेट्स के लॉन्च कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया। रविवार को नीस में उन्होंने कहा कि इनोवेशन भारत के डीएनए में है। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया में अलग-अलग देश एक दूसरे के साथ व्यापार करते हैं।

अलग-अलग देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी होती है लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो साझा रुचि के साथ-साथ साझा विजन से भी ड्राइव होते हैं। भारत और फ्रांस का रिश्ता कुछ ऐसा ही है। इस रिश्ते भी जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य, साझा विजन भी है। इसी रिश्ते की नींव पर बीते वर्षों में हमने साथ मिलकर नई पहल शुरू की है और वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास किया है। हम दोनों देश हमेशा एक साथ चले हैं। आज हमें खुशी है कि हम भारत इनोवेट्स की शुरुआत भी फ्रांस के साथ कर रहे हैं। मैं अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों का यहां आने के लिए धन्यवाद करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, इमैनुएल मैक्रों ने अभी भारत यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि इस सदी की चुनौतियों के समाधान के लिए भारत और फ्रांस को एक साथ आगे आना होगा। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि ये पहल उसी दशा में एक कदम है। भारत इनोवेट्स हमारे टैलेंट और यूरोपियन कैपिटल के बीच एक ब्रिज बन रहा है। एक ऐसा प्लेटफॉर्म जहां भारत के यंग माइट्स को यूरोपियन एक्सपर्ट से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज 21वीं सदी का भारत बदलाव के एक बहुत बड़े दौर से गुजर रहा है। आज भारत में एक स्टार्टअप रिवॉल्यूशन हो रहा है। इस रिवॉल्यूशन में भारत का नौजवान एक नए मानसिकता के साथ मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा है। हमारे नौजवानों के विश्व-स्तरीय समाधान को वैश्विक मंच पर लाने का माध्यम ही भारत इनोवेट्स है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज यहां इतने सारे युवा उद्यमी जुड़े हुए हैं। आपको यहां भारत के भविष्य की एक झलक दिखाई देती है। आपको भारत के युवाओं का आत्मविश्वास, आपको नए भारत की ऊर्जा दिखाई देती है। एक ऐसा भारत जो समाधान का उपभोक्ता नहीं बल्कि समाधान में योगदान देने वाला है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिला युवाओं का साथ, हजारों युवाओं ने निकाली ग्रीन ड्राइव साइकिल रैली

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम ईंधन बचाने के संदेश के साथ भव्य 'ग्रीन ड्राइव साइक्लोथान जागरूकता रैली' का आयोजन किया गया। राजवाड़ा चौक से गांधी हॉल तक निकाली गई इस रैली में हजारों युवाओं ने साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का संदेश दिया।

रैली में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर, सांसद शंकर लालवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला तथा भाजयुमो नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस अवसर पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि युवा मोर्चा का यह संदेश पूरे देश तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'हर घर हरियाली, हर घर खुशहाली' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए युवाओं से कम से कम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर इंदौर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंदौर स्वच्छता में देश में अग्रणी है, उसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण में भी शहर ने अपनी अलग पहचान बनाई है। रेवती रेंज और पितृ पर्वत जैसे क्षेत्रों में लाखों पौधे रोपकर शहरवासियों ने प्रकृति संवर्धन का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा कि इंदौर ने हमेशा सकारात्मक परिवर्तन का नेतृत्व किया है। चाहे स्वच्छता का विषय हो या पर्यावरण संरक्षण का, शहर ने पूरे देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता ही विकसित भारत के सपने को साकार करेगी।

रैली की शुरुआत राजवाड़ा स्थित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद राजवाड़ा से गांधी हॉल तक साइकल रैली निकाली गई। गांधी हॉल परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने विशिष्ट जनसंपर्क अभियान के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय फूलचंद वर्मा के परिजनों से भेंट की तथा बाद में खजराना गणेश मंदिर पहुंचकर दर्शन किए।

रैली में बड़ी संख्या में भाजयुमो पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवा शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली और ईंधन बचत के प्रति समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना रहा।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी एवं राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर सोमवार को इंदौर में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर का 15 जून 2026 को इंदौर आगमन प्रस्तावित है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार दोनों मंत्रीगण इंदौर स्थित सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, गोमटगिरी, हातोद रोड, गांधीनगर में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल होंगी। यह बैठक प्रातः 9:00 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। केंद्र के सहायक निदेशक श्री भवानी शंकर साल्वी ने बताया कि मंत्री द्वय द्वारा बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही अन्य अभियान तथा प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी। सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित हितधारकों की सहभागिता रहेगी।

पल्स पोलियो महाअभियान की समीक्षा बैठक 15 जून को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आगामी पल्स पोलियो महाअभियान की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए बैठक का आयोजन सोमवार, 15 जून 2026 को कलेक्टर कार्यालय में किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह समीक्षा बैठक समय-सीमा पत्रों के निराकरण संबंधी टीएल बैठक के पश्चात आयोजित होगी। बैठक में अभियान की तैयारियों, बूथ व्यवस्थाओं, वैक्सीनेशन टीमों की तैनाती, माइक्रोप्लान तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के संबंध में विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इकोक्लब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इकोक्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. देवेन्द्र मिश्रा, सहायक प्राध्यापक प्राणीशास्त्र, शासकीय होलकर साइंस कॉलेज इंदौर रहे। डॉ. मिश्रा ने छात्राओं को पर्यावरण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने व्याख्यान में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को बताते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों (जैसे वायु, जल, मिट्टी, वन और जीव-जंतुओं) को प्रदूषण से बचाना और उनका संतुलित उपयोग करना ताकि पारिस्थितिकी तंत्र सुरक्षित रहे।

चिड़ियाघर में जन्मा दुर्लभ सफेद हिरण, मेलेनिन की कमी से मिला ऐसा रंग, आंखें भी गुलाबी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के चिड़ियाघर में एक दुर्लभ और आकर्षक सफेद हिरण के शावक का जन्म हुआ है। पूरी तरह सफेद रंग और गुलाबी आंखों वाला यह नन्हा मेहमान चिड़ियाघर में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। इंदौर चिड़ियाघर में एक दुर्लभ अलबीनो हिरण के शावक का जन्म हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार शरीर में मेलेनिन की कमी के कारण ऐसा दुर्लभ रंग दिखाई देता है। यह नन्हा मेहमान अपनी अनोखे रंग और गुलाबी आंखों के कारण चिड़ियाघर का नया आकर्षण बन गया है। आम हिरणों की तुलना में इसका रंग पूरी तरह सफेद है, जबकि इसकी आंखें हल्के गुलाबी रंग की हैं।

चिड़ियाघर के प्रभारी डॉ. उत्तम यादव ने इस बारे में बताया कि आमतौर पर मादा हिरण का रंग गेहुआं तथा नर हिरण का रंग गहरा काला होता है। इनके शावक का रंग आमतौर पर माता-पिता के रंगों से मिलता-जुलता होता है, लेकिन यह शावक पूरी तरह सफेद है। इसे अलबीनो हिरण कहा जाता है।

मेलेनिन नामक रंगद्रव्य की कमी के कारण ऐसा रंग दिखता है- पशु विशेषज्ञों के अनुसार शरीर में मेलेनिन नामक रंगद्रव्य की कमी के कारण ऐसा रंग दिखाई देता है। यही कारण है कि इसकी आंखें भी गुलाबी हैं। चिड़ियाघर प्रबंधन के अनुसार शावक पूरी तरह स्वस्थ है। चिड़ियाघर में इस नए मेहमान के आने के साथ ही यहां हिरणों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। फिलहाल सफेद हिरण की विशेष देखभाल की जा रही है।

काले हिरण की नस्ल में आमतौर पर ऐसा नहीं होता- सफेद टाइगर के लिए चर्चित इंदौर के कमला नेहरू प्राणी उद्यान में पहली बार दुर्लभ सफेद रंग के ब्लैकबक ने जन्म लिया है। काले हिरण की नस्ल में आमतौर पर ऐसा नहीं होता है कि उनमें पाया जाने वाला सफेद रंग का जीन अगली संतति में प्रभावी हो जाए लेकिन इंदौर के चिड़ियाघर में मौजूद कृष्ण मृग के परिवार में यह संभव हो सका है, जहां कृष्ण मृग के एक जोड़े ने सफेद रंग के कृष्ण मृग को जन्म दिया है।

सफेद हिरण पूरी तरह स्वस्थ- प्रभारी डॉ. उत्तम यादव बताते हैं, इंदौर के चिड़ियाघर में सबसे ज्यादा सफेद टाइगर का ही जन्म होता है, यहां विभिन्न प्रकार के दुर्लभ वन्य प्राणी मौजूद हैं, जिसमें अब सफेद हिरण भी शामिल हो गया है। नन्हा सफेद हिरण पूरी तरह स्वस्थ है। यहां जू में ऐसा पहली बार हुआ है कि सफेद हिरण के बच्चे ने जन्म लिया है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आज इंदौर में, विकसित भारत सम्मेलन को करेंगी संबोधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव सोमवार, 15 जून को इंदौर के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इस दौरान वे विकसित भारत सम्मेलन को संबोधित करेंगी, जिसकी अध्यक्षता नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पिपले तथा कार्यक्रम प्रभारी हरप्रीत सिंह बक्शी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव 14 जून की रात्रि इंदौर पहुंचेंगी। उनके दौरे के दौरान विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय मंत्री सोमवार सुबह पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर में स्वच्छता अभियान में भाग लेंगी। इसके बाद मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण करेंगी। वहीं मंदिर परिसर स्थित गौशाला में गौसेवा एवं पूजा-अर्चना भी करेंगी।

इसके पश्चात वे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत वरिष्ठ नागरिकों से भेंट करेंगी। दोपहर में बिहारी समाज की बैठक में शामिल होने के साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी सहभागिता करेंगी।

दौरे का प्रमुख आयोजन साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में आयोजित 'विकसित भारत सम्मेलन' होगा, जहां केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगी। सम्मेलन की अध्यक्षता मंत्री कैलाश विजयवर्गीय करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति अपेक्षित है।

भाजपा नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इंदौर की सबसे छोटी 'मिनी थान' गिनीज बुक में दर्ज, जल संरक्षण का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा जल संरक्षण और भूजल संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा रविवार को एक अनूठे आयोजन का आयोजन किया गया। पलासिया चौराहा से इंद्रप्रस्थ चौराहा तक लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर आयोजित इंदौर की सबसे छोटी रन 'मिनी थान' को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद शंकर लालवानी, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल और स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी को वर्षा जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और पर्यावरण संरक्षण तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए छोटी दूरी पर पैदल चलने के लिए प्रेरित किया गया।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर जनभागीदारी का मॉडल है और यहां के नागरिक हर अभियान को जनआंदोलन बना देते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाने की अपील करते हुए कहा कि इससे शहर के भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटी-छोटी दूरियों के लिए पैदल चलने से स्वास्थ्य लाभ के साथ ईंधन की बचत और वायु प्रदूषण में कमी लाई जा सकती है।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि स्वच्छता की तरह अब वर्षा जल संरक्षण को भी जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जल संकट की संभावित चुनौतियों को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को अपने घर, संस्थान और व्यावसायिक परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और रिचार्ज सोख्ता स्थापित करना चाहिए। इससे वर्षा जल का वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण और भूजल पुनर्भरण संभव होगा।

उन्होंने कहा कि इंदौर जनभागीदारी के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है और इसी सामूहिक शक्ति के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण अभियान को व्यापक सफलता मिल सकती है। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाए तो शहर के भूजल स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। कार्यक्रम में अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

बंद बोरवेल बनेंगे रिचार्ज शाफ्ट, निगम मुख्यालय में वर्षा जल संरक्षण कार्यों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा निगम मुख्यालय परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संबंधी कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने रविवार को निगम मुख्यालय का निरीक्षण कर वर्षा जल संग्रहण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निगम मुख्यालय परिसर में स्थित लंबे समय से बंद और अनुपयोगी पड़े बोरवेल को रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित किए जा रहे कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने इसकी तकनीकी और कार्यात्मक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्षा जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है। बंद बोरवेलों का उपयोग रिचार्ज शाफ्ट के रूप में करना भूजल स्तर को बनाए रखने और वर्षा जल के अधिकतम संचयन की दिशा में एक प्रभावी पहल है।

आयुक्त ने बताया कि निगम मुख्यालय परिसर में पहले से एक बड़ा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और तीन छोटे रेन वाटर रिचार्ज पिट संचालित हैं, जिनके माध्यम से भवन एवं परिसर का वर्षा जल संरक्षित किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक और बड़ा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बंद पड़े बोरवेल में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले नए सिस्टम का कार्य पूर्ण करने तथा पुराने रिचार्ज सिस्टम और पिटों के रखरखाव एवं सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निगम मुख्यालय में किए जा रहे इस नवाचार को शहर के अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाए। इसके लिए शहर में स्थित बंद एवं अनुपयोगी बोरवेलों की सूची तैयार कर उन्हें चरणबद्ध तरीके से रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित करने की कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने शासकीय एवं सार्वजनिक परिसरों में भी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करने पर बल दिया, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि आगामी मानसून को देखते हुए शहर में संचालित सभी वर्षा जल संग्रहण और भूजल पुनर्भरण परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाए। साथ ही नागरिकों को भी वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूक कर जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने घरों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित कर सकें।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री अश्विन जनवदे, जोनल अधिकारी राज ठाकुर सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

षित खाने से 20 से अधिक छात्राएं बीमार, लिवर तक पहुंचा संक्रमण, खाने में मिले कॉकरोच और सिगरेट के टुकड़े

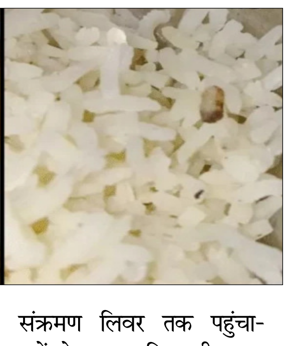

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में खानपान को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। साउथ तुकोगंज स्थित मधुर गर्ल्स हॉस्टल में दूषित खानपान के कारण 20 से अधिक छात्राएं बीमार हो गई। इनमें से कई छात्राओं के लिवर तक संक्रमण पहुंच गया है। छात्राओं की शिकायत के बाद हॉस्टल में जिस तनुश्री थाली नाम की मेस से खाना आता है, खाद्य विभाग की टीम ने शनिवार को उसे सील करने की कार्रवाई की है।

संक्रमण लिवर तक पहुंचा- छात्राओं ने बताया कि करीब 15 दिनों से हॉस्टल में रहने वाली छात्राएं बीमार होने लगीं, पहले हमें लगा कि सामान्य मौसम के कारण होगा। लेकिन पेट की समस्या होने पर जांच करवाई तो पता चला कि यह दूषित खानपान के कारण हुआ है, इसका संक्रमण लिवर तक भी पहुंच गया है। करीब 10 छात्राएं अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती भी रही हैं, जिसके बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है। यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कई हॉस्टल में दूषित खानपान के कारण बच्चे बीमार हो चुके हैं। खाने में निकले कॉकरोच और सिगरेट के टुकड़े

छात्राओं ने बताया कि 15 दिन के भीतर खाने में से कॉकरोच, सिगरेट के टुकड़े आदि चीजें निकली हैं। खाने में कंकर और बाल तो रोजाना ही मिलते थे। जब भी शिकायत लेकर पहुंचते थे तो हमें कहते थे कि यह तुमने ही डाल दिए होंगे। हमारी बातों पर भरोसा ही नहीं करते थे। हॉस्टल की वार्डन से भी शिकायत करते थे, वह हमें डांटकर चुप करवा देती थी।

छात्राओं के बीमार होने पर उनके परिजन मौके पर पहुंचे और उन्होंने विरोध किया। घटना के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर साझा किए। इसके अलावा सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर कार्यालय में शिकायत की। इसके बाद यहां कार्रवाई हुई।

महाकुंभ की वायरल गर्ल पहुंची एमपी हाईकोर्ट, पिता पर लगाया बर्थ सर्टिफिकेट में हेरफेर का आरोप; अगली सुनवाई 23 जून को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इलाहाबाद कुंभ के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुई लड़की और उनके पति फरमान की याचिका पर शुक्रवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। वायरल गर्ल ने याचिका में आरोप लगाया था कि उनके पिता ने उनके दस्तावेजों में हेरफेर कर उनकी वैध शादी को अवैध घोषित करने के लिए षड्यंत्र किया। इसके खिलाफ स्वतंत्र जांच की जाए।

सरकार के वकील ने याचिका में गलतियां बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता वायरल गर्ल को त्रुटियां सुधारने के लिए समय देते हुए सुनवाई को 23 जून तक के लिए टाल दिया।

केरल में फिल्म शूटिंग के दौरान हुई थी फरमान से मुलाकात- खरगोन में रहने वाली वायरल गर्ल पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। उसके बाद उन्हें फिल्मों में भी रोल मिले थे। अभिभावक बाबूलाल नागर और द्रविनी दुबे के अनुसार केरल में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उसकी मुलाकात फरमान से हुई थी। मार्च 2026 में उन्होंने विवाह किया। इसके बाद मामला विवादों में तब तब्दील हुआ, जब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने वायरल गर्ल की उम्र विवाह के समय लगभग 16 वर्ष होने की बात कहते हुए शादी के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल होने का अंदेशा जताया। इसके चलते खरगोन पुलिस ने फरमान के खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया था।

आज का विद्यार्थी कल का भविष्य निर्माता है :- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री

मंत्री श्री पटेल विधिज्ञ एक्सीलेंस कॉन्क्लेव-2026 में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि आज का विद्यार्थी कल का भविष्य निर्माता है। उसके हाथ में देश का दारोमदार है। कोई भी विद्यार्थी अकेले अपने बलबूते पर सफलता प्राप्त नहीं करता। उसके पीछे परिवार, समाज और राष्ट्र का भी योगदान होता है। अतः विद्यार्थियों को चाहिये कि वह सभी का सम्मान करें। यह बात श्री पटेल ने विधिज्ञ द्वारा इंदौर के लाभमण्डपम में आयोजित विधिज्ञ एक्सीलेंस कॉन्क्लेव-2026 (गुरुजन सम्मान) के कार्यक्रम में कही। श्री पटेल मुख्य अतिथि बतौर कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री तारकेश्वर सिंह, पूर्व कलेक्टर श्री सी.बी. सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में श्री पटेल ने क्लेट और आईपीएमएटी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही हाईस्कूल और हायर सेकण्डरी परीक्षा में 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि कानून सबके लिए समान है। कानून के सामने कोई छोटा और बड़ा नहीं है। सभी को कानून का पालन और सम्मान करना चाहिये।

श्री पटेल ने आगे कहा कि आने वाले समय में समाज तो उच्च तकनीक से लैस होगा लेकिन सबके सामने जल संकट एक चुनौती के रूप में उभरेगा। अतः हमें पर्यावरण की चिंता अभी से करनी होगी। अधिक से अधिक पौधारोपण करना होगा। पेड़ हमें फल, फूल, पत्ती और छाया ही नहीं देता बल्कि हमें देने का संस्कार भी देता है।

नामांकन मुद्दा : डीगांव चौपाटी पर युवा कांग्रेस ने जलाए तीन अलग-अलग पुतले, तोते हाथ में लेकर किया अनूठा प्रदर्शन

परशुराम सिसोदिया का आरोप - भाजपा के आगे नतमस्तक है सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश से कांग्रेस की राज्यसभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का असवैधानिक तरीके से नामांकन निरस्त करने के विरोध में रविवार को युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश कांग्रेस सचिव विधानसभा प्रत्याशी रहे परशुराम सिसोदिया के नेतृत्व में डीगांव चौपाटी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मोहन यादव ओर निर्वाचन आयोग तीनो के अलग अलग तीन पुतले जलाकर जमकर नारेबाजी की और तोते हाथ में लेकर अनूठा प्रदर्शन किया।

इस मौके पर क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव परशुराम सिसौदिया ने कहा कि आज देश मे यह चिंता बढ़ रही है कि कई संवैधानिक ओर लोकतांत्रिक सवालो पर न्यायपालिका अपेक्षित दृढ़ता नही दिखा रही है। यदि जनता को यह महसूस होने लगें कि अदालतें सत्ता से सवाल पूछने के बजाय उनके साथ सहज है तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गम्भीर चेतावनी है। सिसौदिया ने कहा कि न्याय पालिका की सबसे बड़ी पूंजी उसकी इमारतें या अधिकारी नही बल्कि जनता का विश्वास है। यदि यह विश्वास कमजोर हुवा तो लोकतंत्र की सबसे मज़बूत दीवार भी दरकने लगेगी। सिसोदिया ने आगे कहा कि गांधीवादी विचारों से ओत प्रोत मीनाक्षी नटराजन का नामांकन वेध मानकर तत्काल उन्हें निर्वाचित घोषित करे। प्रदेश कांग्रेस के सचिव सोमिल नाहटा ने कहा कि भाजपा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाये गए संविधान को खत्म करने में लगी है मीनाक्षी नटराजन का नामांकन असवैधानिक तरीके से निर्वाचन आयोग द्वारा सत्ता पक्ष के दबाव में निरस्त किया गया है, जोकि निंदनीय है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश पटेल ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात तो करती है पर ओर गांधीवादी महिला को राज्यसभा जाने से ये केन प्रकरेण रोकना चाहती है।

आंदोलन में तोते रहे आकर्षण का केंद्र- डिगाव चौपाटी पर आयोजित पुतला दहन में कांग्रेसनेता परशुराम सिसौदिया, मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा ने तोते हाथ मे ले रखे थे तोते पर निर्वाचन आयोग, सुप्रीम कोर्ट,रिटर्निंग आफिसर हम सभी भाजपा के तोते है। सुबह से ही डिगाव चौपाटी पर भारी पुलिसबल एवं फ़ायरफाइटर पुतला दहन रोकने के लिए मुस्तेद थे लेकिन युवक कांग्रेस व कांग्रेसजनों ने तीनो पुतलों को आग के हवाले कर दिया। इस मौके पर परशुराम सिसोदिया, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष कुवर दुर्गेश सिंह पटेल कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा, धुंधडका ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश धाकड़, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा, किशोर गोयल मल्हारगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष विजेश मालेचा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अनिल शर्मा, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव विनोद पटेल, युवा कांग्रेस मल्हारगढ़ विधानसभा उपाध्यक्ष राहुल अहीर, युवा कांग्रेस धुंधडका ब्लॉक अध्यक्ष संदीप दास बैरागी, युवा कांग्रेस जिला महासचिव जीवन चौहान, मंडलम अध्यक्ष गजराज सिंह , गणेशाराम परिहार,नरेंद्र आंजना, संदीप धनगर, परमानंद पाटीदार, शहर ब्लाक युवा कांग्रेस अध्यक्ष सम्यक जैन वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र सिंह , अमृतराम चंद्रवंशी, पूर्व सरपंच सुरेश धाकड़, नरसिंह सोलंकी, लक्ष्मण सिंह, मनीष शर्मा, राम लक्ष्मण धाकड़ , आसाराम कुमावत, विक्रम बामनिया, सावन मकवाना, योगेश साहू, विशाल, ईश्वर चंद्रवंशी, अर्जुन मालवीय, राधेश्याम मालवीय, विजय मकवाना, अर्जुन चंद्रवंशी, पप्पू गुर्जर, दशरथ चंद्रवंशी, राहुल चंद्रवंशी, परशुराम चंद्रवंशी, पप्पू गुर्जर, मंगल चंद्रवंशी, विशाल व्यास, अनिल चंद्रवंशी, विक्रम चंद्रवंशी दशरथ चंद्रवंशी, रमेश सूर्यवंशी, कन्हैयालाल चंद्रवंशी , विनय सोलंकी, दीपक चंद्रवंशी, गोपाल चंद्रवंशी, शंभू लाल ,अशोक रामप्यारे, कंवरलाल मालवीय, मनोज, घनश्याम, जसपाल चंद्रवंशी, जगदीश चंद्रवंशी, दिलीप सहित सैकड़ों कांग्रेसजन मौजूद थे।

नीमच जिले की 1.55 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 37वीं किश्त अंतरित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत रविवार कोनीमच जिले की 1,55,800 हितग्राही बहनों के बैंक खातों में 37वीं किश्त की राशि 22 करोड़ 80 लाख रुपयेअंतरित की गई है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में रविवार कोग्राम केसली, जिला सागर में राशि अंतरण एवं महिला सशक्तिकरण सम्मेलनका आयोजन किया गया। उक्त राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट जिले में ग्राम, पंचायत एवं वार्ड स्तर पर हितग्राही लाड़ली बहनों द्वारा देखा गया। उल्लेखनीय है कि योजना प्रारंभ होने से अब तक यह 37वीं किश्त है, जो डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सीधे लाड़ली बहनों के खातों में जमा की गई है। योजना से जिले की महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवारों में वित्तीय आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सशक्तिकरण को बल मिला है।

ढोली बुआ पुल के समीप लगे जनकल्याण शिविर में 1867 लोगों को मिला सीधा लाभ

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार का प्रयास है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। साथ ही जनसमस्याओं का त्वरित समाधान हो। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के लिये समर्पित 12 स्वर्णिम वर्षों के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याण शिविर लगाए जा रहे हैं। इस आशय के विचार सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने व्यक्त किए। मंत्री श्री कुशवाह ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रविवार को आयोजित हुए जनकल्याण शिविर में मौजूद आम नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की सभी बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिये जोनवार व वार्डवार शिविर भी लगाए जायेंगे। शिविर में केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत 1867 जरूरतमंदों को लाभान्वित कराया गया। ढोलीबुआ का पुल के समीप स्थित नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक-17 में यह शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर व जीडीए के उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व क्षेत्रीय पार्षदगण मौजूद थे। शिविर में नगर निगम के जोन क्रमांक 15 से 21 एवं जोन 24 व 25 की विभिन्न बस्तियों में निवासरत लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित किए। मंत्री श्री कुशवाह सहित अन्य अतिथिगणों से मंच से प्रतीक स्वरूप विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र सौंपे। श्री कुशवाह ने शिविर के विभिन्न काउण्टर पर पहुँचकर समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया देखी। साथ ही शिविर स्थल पर जनकल्याण के 12 वर्ष के उपलक्ष्य में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। आरंभ में श्री कुशवाह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भरपूर आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा सरकार का प्रयास है कि जिस पात्र व्यक्ति का पैसा है उस तक वह पैसा पहुँचे। इसी भाव के साथ जनकल्याण शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने शिविर में मौजूद नागरिकों का आह्वान किया कि वे पात्रता के अनुसार स्वयं भी योजनाओं का लाभ उठायें और दूसरों को भी मदद दिलाने में सहभागी बनें। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 साल देश के लिये बेमिसाल रहे हैं।

विश्व हिंदू परिषद का 10 दिवसीय वर्ग संपन्न, प्रखंड सह मंत्री कमल सिंह का हुआ स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रान्त का 10 दिवसीय परिषद वर्ग धर्मराजेश्वर, चंदवासा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शामगढ़ तहसील के धर्मराजेश्वर स्थित चंदवासा में आयोजित इस वर्ग में मालवा प्रान्त सहित केंद्रीय पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार, हिंदू समाज के समक्ष वर्तमान चुनौतियां एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। वर्ग संपन्न होने के बाद घर लौटने पर प्रखंड सह मंत्री कमल सिंह का स्थानीय कार्यकर्ताओं ने पुष्पमाला पहनाकर एवं जय श्रीराम के नारों के साथ आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है और संगठन और अधिक मजबूत होता है।

यशोधर्मन थाना पुलिस द्वारा 200 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो दबोचे गए, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन थाना पुलिस व्दारा मुखबीर सूचना पर एमडी ड्रग्स के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करते हुए मन्दसौर के दो शातिर तस्करो को 200 ग्राम एमडी ड्रग्स सहित रंगे हाथो पकडा है। मामले में एक फरार आरोपी है, जिसकी तलाश की जा रही है।

घटना अनुसार पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करो के विरूद्ध कठोरतम एवं प्रभावी कार्यवाही करने के लिये विशेष निर्देश प्रसारित किये गये है। उक्त निर्देशों की अनुपालना हेतु पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा जिले में समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारीयो को निर्देशित किया है। इसी तारतम्य में अवैध मादक पदार्थ के तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल व सी.एस.पी. जितेन्द्र भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय यशोधर्मन थाना के नेतृत्व में दिये गये दिशा निर्देशो का पालन करते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर दिनांक 13 जून को एमआईटी चौराहा से रामटेकरी रोड पर सेंट्रल स्कूल के आगे शिवांश आनलाईन वर्क्स के सामने से दो तस्करो को पकडा गया। मोटर सायकल पर बैठे दो तस्करो ने मोटर सायकल से उतरकर भागने का काफी प्रयास किया। पुलिस टीम ने होंसला रखते हुए दोनो को भागने का मौका नही देते हुए दोनो तस्करो को घेराबंदी कर दबोच लिया। उनकी पहचान मन्दसौर के शातिर तस्करो के रुप में हुई, उसके बाद मन्दसौर के रहने वाले दोनो शातिर तस्कर अबरार उर्फ सन्ना पिता अकरम कुरैशी उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 24 मर्दादीन मोहल्ला मन्दसौर व फैजान पिता फिरोज शाह उम्र 21 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 23 बड़ी होली किला रोड मन्दसौर के कब्जे से सफेद रंग की प्लास्टिक की पारदर्शी थैली से 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स कीमती ढाई लाख रूपए, एक मोटर सायकल व दो एण्ड्रोयड मोबाईल पुलिस व्दारा जप्त किये गये। पुलिस ने आरोपीयो से जप्त शुदा अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स के स्त्रोतो के संबंध में पूछताछ करते आरोपी अबरार उर्फ सन्ना कुरैशी ने जप्त शुदा एमडी ड्रग्स अफजल पिता अकरम कुरैशी निवासी वार्ड नंबर 24 मर्दादीन मोहल्ला मन्दसौर थाना शहर कोतवाली मन्दसौर से लेकर आना बताया गया है। पुलिस व्दारा आरोपीयो से ओर भी पूछताछ कर रही है आरोपीयो से पूछताछ के दौरान ओर भी तस्करो के नाम सामने आने की संभावना है। मामले में फरार आरोपी अफजल पिता अकरम कुरैशी निवासी वार्ड नंबर 24 मर्दादीन मोहल्ला मन्दसौर की तलाश की जा रही है।

जावरा में जनकल्याण शिविर में तीसरे दिन 1195 आवेदनों का हुआ मौके पर निराकरण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं/ सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकाय/विकासखंड मुख्यालय पर 3 दिवसीय जनकल्याण शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में विभागों द्वारा योजनाओं/सेवाओं में पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु स्टॉल लगाए गए है एवं योजनाओं से संबंधित जानकारी विभागों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जा रही है । जावरा में आयोजित तीन दिवसीय शिविर में आज तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराया एवं शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में कुल 1692 आवेदन प्राप्त हुए । जिसमें से 1195 का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। शिविर में एसडीएम जावरा श्री सुनील जयसवाल नगर पालिका सीएमओ श्री चंद्रशेखर सोनिस, सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे । शिविर स्थल पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करती हुई प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया ।

सीतामऊ में आयोजित हुआ जनकल्याण शिविर, योजनाओं का लाभ प्रदान

जिले में जनकल्याण शिविरों में 3841 आवेदन प्राप्त, 3582 का हुआ मौके पर ही निराकरण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्र एवं प्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 12 जून से 18 जून तक जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में विभिन्न योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। जिले में आयोजित जनकल्याण शिविरों में अब तक कुल 3841 हितग्राहियों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें से 3582 पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं तथा शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

रविवार को सीतामऊ में आयोजित हुआ जनकल्याण शिविर, योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। यहाँ विशेष रूप से सीतामऊ जनपद उपाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह कोटड़ा माता भी उपस्थित रहे।

जिले के सभी विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर तीन दिवसीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायत मंदसौर में 15 से 17 जून, मल्हारगढ़ में 16 से 18 जून, सीतामऊ में 12 से 14 जून, गरोठ में 12 से 14 जून तथा भानपुरा में 15 से 17 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार नगरीय निकायों में नगर पालिका मंदसौर में 15 से 18 जून तथा नगर परिषद नगरी, नारायणगढ़, सीतामऊ, सुवासरा एवं शामगढ़ में 12 से 16 जून तक शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। नगर परिषद मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, गरोठ, भानपुरा एवं भैंसोदा में 15 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर आयोजित होंगे। जनकल्याण शिविरों में चालू खसरा-खतौनी एवं नक्शों की प्रतिलिपियां, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भारत योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, निर्माण श्रमिक पंजीयन, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना, मछुआ क्रेडिट कार्ड योजना सहित अनेक जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा, सीमांकन प्रकरणों का निराकरण, नवीन नल कनेक्शन हेतु मांग-पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञा, नामांकन एवं माइग्रेशन प्रमाण पत्र, प्रोविजनल उपाधि, डुप्लीकेट अंकसूची, निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने सहित विभिन्न सेवाएं भी प्रदान की जा रही हैं। जिला प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने निकटतम जनकल्याण शिविर में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त करें।

स्वस्थय व निरोगी जीवन जीने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं- कलेक्टर

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रत्येक प्राणी की मूल चाहना सुख है और सुखों से सर्वोपरि है शारीरिक स्वास्थ्य। हमारे यहां कहा भी जाता है पहला सुख निरोगी काया। यदि शरीर को निरोग रखना है तो योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। यह बत कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क में पतंजलि जिला योग समिति द्वारा संचालित 25 दिवसीय निःशुल्क सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप कही। उन्होंने कहा कि प्रायः 55 वर्ष की उम्र होने पर लोगों को स्वास्थ्य की चिंता सताने लगती है लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। अगर स्वस्थ जीवन जीना है तो हमें प्रारम्भ से ही अपने आहार-विहार और संयमित दिनचर्या पर ध्यान देना होगा। इसके पूर्व उन्होंने योग ऋषि स्वामी रामदेव के चित्र पर तिलक और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा शिविरार्थी संध्या गुप्ता, अनीता चउदा, सुषमा गुगोरिया एवं अर्चना चौहान को प्रमाणपत्र प्रदाय किये। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आनंद विभाग के जिला कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज द्विवेदी ने योग साधकों से षट्कर्म के बारे में जानकारी दी तथा सूत्र नेति व जल नेति का प्रदर्शन कर उसके होने बाले लाभों के बारे में अवगत कराया। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार की राज्य कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती नेहा पटेल ने जिले में योग की गतिविधियों को विस्तार देने की बात कही।

लदूसा में सांवलिया सेठ मंदिर के दानपात्र से निकली 10 लाख से अधिक राशि, धर्मशाला के लिए समिति ने खरीदी 2 बीघा जमीन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा क्षेत्र की अगाध आस्था के केंद्र, प्रसिद्ध भगवान लक्ष्मीनारायण (सांवलिया सेठ) मंदिर (लदूसा नरेश) में रविवार को श्रद्धा का अनूठा सैलाब देखने को मिला। विक्रम संवत 2083 के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी, यानी 14 जून 2026 को जब मंदिर समिति और ग्रामीणों की मौजूदगी में भगवान सांवलिया सेठ का दानपात्र खोला गया, तो उसमें से लाखों रुपये की नकदी और श्रद्धा की अनमोल पूंजी बाहर आई। दानपात्र की गिनती पूरी होने के बाद कुल 10 लाख 251 रुपये की सम्मानजनक राशि प्राप्त हुई है, जो क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भगवान के प्रति गहरी आस्था को दर्शाती है। इस पावन अवसर पर मंदिर समिति ने भगवान सांवलिया सेठ के भक्तों की सुविधा के लिए कुछ बेहद महत्वपूर्ण और बड़े फैसलों की घोषणा की है।

मंदिर समिति के ट्रस्टी महेश व्यास ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर परिसर में आने वाले दर्शनार्थियों को मौसम की मार से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। वर्तमान में मंदिर परिसर के भीतर लगभग 4 हजार वर्ग फीट के विशाल क्षेत्र पर एक बेहद आकर्षक और आधुनिक डोम का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस भव्य डोम के बन जाने के बाद मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी और तेज बारिश के दौरान काफी सहूलियत मिलेगी और वे बिना किसी परेशानी के सुगमता से भगवान के दर्शन कर सकेंगे। सेठ बने अब जमींदार-साथ ही लदूसा नरेश के भक्तों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है, जिसे ग्रामीण अब बड़े ही आदर से 'सेठ को जमींदार बनना' कह रहे हैं। मंदिर समिति ने दूर-दराज से आने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं के ठहरने की उत्तम व्यवस्था करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। समिति द्वारा सीधे सांवलिया सेठ के नाम पर 2 बीघा से अधिक की कृषि भूमि का सौदा कर उसे क्रय कर लिया गया है। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 34 लाख रुपये है। समिति का संकल्प है कि भविष्य में इस पूरी भूमि का उपयोग एक सर्वसुविधायुक्त और भव्य धर्मशाला के निर्माण के लिए किया जाएगा, ताकि यहां रुकने वाले भक्तों को घर जैसा माहौल मिल सके। दानपात्र खोलने और इस ऐतिहासिक भूमि क्रय के पावन अवसर पर समूचा मंदिर प्रशासन और ग्राम के प्रबुद्ध जन साक्षी बने। इस दौरान मंदिर के पुजारी भगवान दास बैरागी, समिति अध्यक्ष रामेश्वर पपोण्डिया, पूर्व सरपंच पटेल ओमप्रकाश ठन्ना, वरिष्ठ समाजसेवी बद्रीलाल पपोण्डिया, मोतीलाल वीर, रामजी ठन्ना, पटेल घनश्याम ठन्ना, राजू रावत, राजेश टेलर, नानालाल डेरी, दीपक वीर, प्रवीण सेन आदि ट्रस्टीगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आज महाआरती व महाप्रसादी का आयोजन- प्रति अमावस्या मंदिर में महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन होता है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन पहुंचते है आज 15 जून, सोमवार अमावस्या के दिन भगवान लक्ष्मीनारायण की महाआरती सायं 8 बजे होगी तथा उसके पश्चात महाप्रसादी का आयोजन होगा। जिसके लाभार्थी श्री सुखलाल पिता रामचन्द्र पुत्र नारायण मीणा परिवार ग्राम बागिया होंगे। मंदिर समिति ने सभी धर्मालुजनों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

सम्पादकीय

महंगाई का बढ़ता साया

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी एक ऐसी वास्तविकता है जो उनकी आय, बचत, भोजन, शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को सीधे प्रभावित करती है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार के रुझानों से स्पष्ट है कि मार्च के बाद से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, हैंडवॉश, नमकीन, शैंपू और दालों जैसे आवश्यक उत्पादों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि ने आम उपभोक्ता की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन वर्गों की आय सीमित होती है और उनके खर्च का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है। जब रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इनके पास बचत के अवसर कम हो जाते हैं। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या फिर कर्ज का सहारा लेना पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। जहां जून में इनमें 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, वहीं मार्च के बाद अब तक यह वृद्धि 20 से 25 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। भारत खाद्य तेलों की आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को महंगा बना दिया है।

महंगाई का दूसरा महत्वपूर्ण कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल भी महंगे हुए हैं। ऊर्जा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। जब ईंधन महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका असर खेतों से मंडियों तक, फैक्ट्रियों से बाजारों तक और गोदामों से उपभोक्ताओं तक हर स्तर पर दिखाई देता है। फलस्वरूप लगभग हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है।

आज कंपनियां भी बढ़ती लागत के दबाव में हैं। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में कंपनियां दो तरीके अपनाती हैं– या तो उत्पादों के दाम बढ़ाती हैं या पैकेट का आकार घटा देती हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह महसूस नहीं होता कि समान कीमत पर मिलने वाला उत्पाद अब पहले से कम मात्रा में उपलब्ध है। इसे अर्थशास्त्र की भाषा में "श्रिंकफ्लेशन" कहा जाता है। यह भी महंगाई का एक छिपा हुआ रूप है।

महंगाई का सबसे स्पष्ट असर रसोई पर दिखाई देता है। एक मध्यमवर्गीय परिवार का मासिक रसोई बजट यदि पहले 15 हजार रुपये था तो कीमतों में बढ़ोतरी के कारण यह खर्च अब 17 से 18 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि सुनने में छोटी लग सकती है, लेकिन सालभर में यह अतिरिक्त खर्च हजारों रुपये तक पहुंच जाता है। जिन परिवारों की आय स्थिर है, उनके लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। खेती में डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की लागत बढ़ने से कृषि उत्पादन महंगा हुआ है। किसान को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि उपभोक्ता को वही उत्पाद महंगे दामों पर खरीदना पड़ता है। इस प्रकार महंगाई का बोझ उत्पादक और उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है, जबकि बीच की आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संरचना अधिक लाभ अर्जित करती है।

महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। जब आवश्यक वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवार सबसे पहले मनोरंजन, पर्यटन और विलासिता के खर्च में कटौती करते हैं। इसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों पर भी असर पड़ने लगता है। कई परिवार बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं। इससे कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, शिक्षा पर होने वाले खर्च में कमी भविष्य की मानव पूंजी को प्रभावित करती है।

आर्थिक दृष्टि से नियंत्रित महंगाई को विकास का संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे मांग और उत्पादन में वृद्धि का संकेत मिलता है। लेकिन जब महंगाई आय वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगे तो यह आर्थिक असंतुलन पैदा करती है। वर्तमान स्थिति में यही चिंता सामने आ रही है। वेतन और रोजगार की वृद्धि दर उतनी तेज नहीं है जितनी तेजी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे वास्तविक क्रय शक्ति कम हो रही है।

दक्षिण की फिल्में कहानी से शुरू होती हैं, बॉलीवुड स्टार से शुरू होता है

जब कोई फिल्म अपनी मिट्टी की गहराइयों से जन्म लेती है, तब वह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह जाती; वह अपने समय और समाज का जीवंत महाकाव्य बन जाती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सामर्थ्य यही है कि वह कहानी को केंद्र में रखता है। वहां पहले कथा जन्म लेती है और फिर उसी कथा के भीतर से नायक उभरता है। किरदार मिट्टी से निकलते हैं, उनकी धड़कनों में लोकजीवन की लय बसती है और उनकी आंखों में पीढ़ियों के सुख-दुःख झलकते हैं। वहीं बॉलीवुड की शुरुआत आजकल स्टार से होती है – पहले चेहरा तय, फिर उसके एंट्री शॉट्स, उसके कपड़े, उसके डायलॉग और अंत में व्यक्तित्व के अनुरूप कथानक गढ़ा जाता है। नतीजा यह कि साउथ की फिल्में दिल की गहराई तक उतर जाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में सतह पर चमककर रह जाती हैं।

साउथ का गांव जब पर्दे पर बोलता है, तो उसकी आवाज़ में सदियों की स्मृति, आस्था और संघर्ष की गूंज सुनाई देती है। 'कांतारा', 'पेड्डी', 'पुष्पा' या 'जेलर' जैसी फिल्मों में गांव केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक सजीव, सांस लेता हुआ चरित्र है। वहां की मिट्टी की महक, लोकदेवताओं में विश्वास, परंपराओं की शक्ति और आम आदमी का संघर्ष – सब दर्शक की रगों में उतर जाता है। दर्शक महसूस करता है कि वह फिल्म नहीं देख रहा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक आत्मा को पुनः खोज रहा है। इसके उलट बॉलीवुड का शहर रोशनी से भरा होकर भी भीतर से खाली लगता है; वहां चमक है, पर संवेदना नहीं–चेहरे दिखते हैं, पर किरदार दिल में नहीं बसते।

सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बॉलीवुड स्वयं अब इस सच्चाई को स्वीकार करने लगा है। वह दक्षिण की मूल कहानियों को हिंदी में डब करके या रीमेक बनाकर पेश कर रहा है और वे फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हो रही हैं। 'दृश्यम', 'जेलर' और 'केजीएफ' जैसी फिल्में हिंदी डब्ड वर्जन में जबरदस्त सफलता पा चुकी हैं। बॉलीवुड की अनेक बड़े स्टार स्टूडियो अब साउथ की पटकथाओं पर निर्भर हो गए हैं क्योंकि उन्हें अपनी मिट्टी से कहानियां निकालने की कला लगभग खो चुकी है। वे स्टार की चमक से चमकाने की कोशिश करते हैं, पर असली जादू तो दक्षिण की कहानी में ही है।

यह अंतर केवल निर्देशन, तकनीक या पटकथा का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टि का अंतर है। दक्षिण का फिल्मकार अभी भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह जानता है कि असली नायक कहानी है, संघर्ष है, समाज की सामूहिक स्मृति है। इसलिए वह स्टार को किरदार में घुलने देता है, स्टार को किरदार पर हावी नहीं होने देता। यही वजह है कि राम चरण 'पेड्डी' में एक साधारण देहाती योद्धा बनकर भी पूरे देश का दिल जीत लेता है। वह अपनी जड़ों को नहीं छोड़ता, जड़ें उसे उड़ान देती हैं। इसके विपरीत बॉलीवुड का स्टार जड़ों को काटकर उड़ान भरने की कोशिश करता है, इसलिए उसकी उड़ान छोटी, दिखावटी और जल्दी थक जाने वाली साबित होती है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की कहानियां समय की गहराइयों में उतरती हैं। वे लोककथाओं, पुराणों, क्षेत्रीय इतिहास और समकालीन यथार्थ को एक सूत्र में पिरो देती हैं।

उनके एक-एक फ्रेम में संस्कृति की सांस सुनाई देती है, परंपरा का स्पर्श महसूस होता है और मानवीय संवेदनाओं की आंच दिखाई देती है। फिल्म समाप्त होने के बाद भी उसके पात्र और प्रसंग दर्शक के भीतर जीवित रहते हैं। बॉलीवुड इस कला को लगभग भूल चुका है। वहां कहानी को इतना सजाया और चमकाया जाता है कि कई बार उसकी स्वाभाविकता ही धूमिल पड़ जाती है। फिल्में देखी तो जाती हैं, पर वे हमेशा दर्शक के मन में घर नहीं बना पातीं।

आज का दर्शक भी बदल चुका है। वह केवल चमक-दमक से प्रभावित होने वाला दर्शक नहीं रहा। वह ऐसे सिनेमा की तलाश में है जिसमें पात्र सांस लेते हों, संघर्ष करते हों, घायल होते हों और जीवन की वास्तविकता को जीते हों। वह बनावटी पूर्णता नहीं, मानवीय सच्चाई देखना चाहता है। साउथ सिनेमा इस प्यास को बखूबी समझता है। इसलिए जब उसका गांव बोलता है, तो दिल्ली, मुंबई और देश के अन्य महानगर भी चुपचाप सुनने को मजबूर हो जाता है। दूसरी ओर बॉलीवुड का शहर अब भी बड़े बजट, विशाल प्रचार और भव्य प्रस्तुतियों के सहारे अपनी बात कहने का प्रयास कर रहा है, लेकिन उसकी आवाज़ अब खोखली और बेमानी लगती है।

दक्षिण की फिल्मों की सबसे बड़ी विजय यह है कि वे दर्शक को उपभोक्ता नहीं, सहभागी बनाती हैं। वे उससे कहती हैं–आओ, इस कहानी को सुनो, इसे महसूस करो और इसका हिस्सा बनो। दर्शक स्वयं को कथा के भीतर पाता है और पात्रों के सुख-दुःख से जुड़ जाता है। इसके विपरीत बॉलीवुड का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय तक दर्शक को केवल तमाशे का उपभोक्ता मानता रहा–देखो, ताली बजाओ और लौट जाओ। जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, साउथ की फिल्में न सिर्फ बाजार पर राज करती रहेंगी बल्कि दिलों पर भी अमिट छाप छोड़ती रहेंगी।

आखिरकार सिनेमा की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि वह कहानी से जन्म लेता है, न कि स्टार की चमक से। सितारे कहानी को ऊंचाई दे सकते हैं, लेकिन कहानी का स्थान नहीं ले सकते।

दक्षिण भारतीय सिनेमा ने इस सत्य को समझा और उसी के बल पर उसने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। और जब तक बॉलीवुड इस सच्चाई को नहीं समझेगा, साउथ का गांव बोलता रहेगा और पूरा देश उसकी आवाज़ में खोता रहेगा। क्योंकि अंततः दर्शक को शोर नहीं, सत्य आकर्षित करता है; चमक नहीं, संवेदना बांधती है; और वही सिनेमा अमर होता है जो अपनी मिट्टी से जन्म लेकर मनुष्य के हृदय तक पहुंचता है।

-प्रो. आरके जैन

बढ़ता मोटापाः युवावस्था में ही बूढ़ा होता दिल

भारत आज दोहरी स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। एक ओर संक्रामक रोगों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया है, तो दूसरी ओर जीवनशैली से जुड़ी गैर-संचारी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के ताजा आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को उजागर करते हैं। देश में 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग के पुरुषों और महिलाओं में मोटापा तथा अधिक वजन की समस्या चिंताजनक गति से बढ़ रही है। इसका सीधा असर हृदय रोग, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों के रूप में सामने आ रहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 2023-24 में 30.7 प्रतिशत महिलाएं और 27.3 प्रतिशत पुरुष अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त पाए गए। कुछ वर्ष पहले की तुलना में यह वृद्धि काफी तेज है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में देश के स्वास्थ्य तंत्र पर बढ़ने वाले भारी बोझ का संकेत है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मोटापा अब केवल मध्यम आयु या बुजुर्गों की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि युवाओं और कामकाजी वर्ग में भी तेजी से फैल रहा है।

विशेषज्ञों द्वारा इस्तेमाल की जा रही हृदय आयु की अवधारणा इस खतरे को सरल भाषा में समझाती है। किसी व्यक्ति की वास्तविक उम्र 35 वर्ष हो सकती है, लेकिन यदि वह मोटापे, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और निष्क्रिय जीवनशैली से ग्रस्त है तो उसके हृदय की कार्यक्षमता 50 या 60 वर्ष के व्यक्ति जैसी हो सकती है। अर्थात शरीर भले ही युवा दिखाई दे, लेकिन दिल समय से पहले बूढ़ा हो चुका होता है। यही स्थिति कम उम्र में हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है।

मोटापे की बढ़ती समस्या के पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। शहरीकरण, फास्ट फूड संस्कृति, जंक फूड की आसान उपलब्धता, शारीरिक श्रम में कमी, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना और अनियमित दिनचर्या प्रमुख कारण हैं। बच्चों और किशोरों में भी मोबाइल, टीवी और डिजिटल मनोरंजन के बढ़ते प्रभाव ने खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों को सीमित कर दिया है। परिणामस्वरूप, कम उम्र से ही अतिरिक्त वजन की समस्या जन्म ले रही है।

भारत जैसे देश में यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां मधुमेह और हृदय रोग पहले से ही व्यापक स्तर पर मौजूद हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्पष्ट किया है कि अधिक वजन और मोटापा हृदय रोग तथा स्ट्रोक जैसे गैर-संचारी रोगों के प्रमुख जोखिम कारक हैं। यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर आर्थिक और सामाजिक दबाव कई गुना बढ़ जाएगा। इस चुनौती का समाधान केवल अस्पतालों और डॉक्टरों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकार को स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली नीतियां अपनानी होंगी। स्कूलों में नियमित खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन, जंक फूड के विज्ञापनों पर नियंत्रण, पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूकता और सार्वजनिक स्थानों पर व्यायाम सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे जत

भारत के लिए अमेरिका हमेशा अहितकारी मित्र

भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने अमेरिका तथा रूस से अपने संबंध विस्तारित करने का प्रयास किया पर रूस ने सदैव एक सच्चे मित्र की भूमिका निभाई पर कई सोपनो में अमेरिका केवल अपनी आर्थिक नीतियों को मजबूत करने के लिए भारत से संबंध बनाते रहा है एवं भारत से ज्यादा पड़ोसी पाकिस्तान देश को वरीयता प्रदान करता रहा है एवं उसे आर्थिक तथा सामरिक मदद भी करता रहा। अमेरिका का सदैव यह प्रयास रहा कि भारत में अंदरूनी तथा बाहरी अस्थिरता बनी रहे और यही कारण है कि वह पाकिस्तान को सदैव भारत के खिलाफ भड़काता उकसाता रहा है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक मित्रता में अमेरिका का आर्थिक पड़ला हमेशा भारी रहा है यह अलग बात है कि भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और अपनी स्वायत्त छवि को विदेशों में कायम रखा और एक स्वतंत्र गुटनिरपेक्ष नीति पर आगे चला रहा। विश्व राजनीति में अमेरिका एक ऐसी महाशक्ति के रूप में स्थापित रहा है जिसकी विदेश नीति का मूल आधार आदर्शवाद से अधिक राष्ट्रीय हित और आर्थिक लाभ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों का मानना है कि कोई भी राष्ट्र स्थायी मित्र या शत्रु नहीं रखता, बल्कि उसके स्थायी हित होते हैं। अमेरिका ने भी अपने राष्ट्रीय हितों, आर्थिक प्रभुत्व और सामरिक वर्चस्व को सर्वोपरि रखते हुए विश्व के देशों के साथ संबंध स्थापित किए हैं। यही कारण है कि अनेक बार वह मित्र दिखाई देता है, तो कई बार उसके निर्णय मित्र देशों के लिए भी असहज और चिंताजनक साबित होते हैं।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका ने स्वयं को वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित किया। उसने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा गठबंधनों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया। अमेरिका की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विश्व बाजारों तक पहुंच बनाए रखना, ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षा करना और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करना रहा है।

इराक, अफगानिस्तान, लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेपों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ-साथ आर्थिक और सामरिक हित भी उसकी नीतियों के केंद्र में रहे हैं। इसलिए आलोचक अमेरिका को "हित-आधारित मित्र" या "ट्रेवलसम फ्रेंड" की संज्ञा देते हैं।

भारत के संदर्भ में अमेरिकी दृष्टिकोण

भारत की स्वतंत्रता के बाद अमेरिका और भारत के संबंध सदैव सरल नहीं रहे। शीतयुद्ध काल में भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई, जबकि अमेरिका पाकिस्तान को अपने सामरिक सहयोगी के रूप में देखता था। पाकिस्तान को सैन्य सहायता, आधुनिक हथियारों और आर्थिक सहयोग ने दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित किया।

1965 और 1971 के युद्धों के दौरान भी अमेरिकी नीतियों को लेकर भारत में अनेक प्रश्न उठे। विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय अमेरिकी प्रशासन का झुकाव पाकिस्तान की ओर दिखाई दिया। इससे भारतीय जनमानस में यह धारणा मजबूत हुई कि अमेरिका दक्षिण एशिया में भारत की अपेक्षा पाकिस्तान को सामरिक दृष्टि से अधिक महत्व देता है।

हालांकि यह भी सत्य है कि समय के साथ परिस्थितियां बदलीं। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में नई निकटता आई। सूचना प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, शिक्षा और परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों ने उल्लेखनीय साझेदारी विकसित की। 2008 का असैनिक परमाणु समझौता इस संबंध का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। विश्वास और सावधानी के बीच भारत

भारत और अमेरिका आज रणनीतिक साझेदार हैं, किंतु यह साझेदारी पूर्ण विश्वास पर नहीं बल्कि पारस्परिक हितों पर आधारित है। अमेरिका जहां चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए भारत को महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, वहीं भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना चाहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान के प्रश्न और वैश्विक व्यापारिक नीतियों पर कई बार दोनों देशों के दृष्टिकोण अलग दिखाई देते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि भारत को अमेरिका के साथ सहयोग तो बढ़ाना चाहिए, लेकिन अपनी विदेश नीति का निर्धारण राष्ट्रीय हितों और आत्मनिर्भर सामरिक क्षमता के आधार पर करना चाहिए।

वैसे भी विदेश नीति परिपेक्ष में किसी भी देश के साथ अमेरिका अमेरिका को भी केवल मित्र या शत्रु की संकीर्ण परिभाषा में नहीं बांधा जा सकता। वह एक ऐसी महाशक्ति है जो अपने राष्ट्रीय, आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार निर्णय लेती है। भारत के लिए भी आवश्यक है कि वह भावनाओं के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाए। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विश्वास से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित और सामरिक संतुलन होते हैं।

भारत को अमेरिका सहित सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संतुलित संबंध रखते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामरिक शक्ति को सुदृढ़ करना होगा। यही वह मार्ग है जो भारत को वैश्विक मंच पर सम्मानजनक, सुरक्षित और प्रभावशाली स्थिति प्रदान कर सकता है।

-संजीव ठाकुर

भारत में निवेश की सुस्ती गहरे संरचनात्मक बदलावों का नतीजा

पश्चिम एशिया संकट और उसके कारण कच्चे तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को लगा आपूर्ति झटका बताता है कि भारत एक आर्थिक तूफान की ओर बढ़ रहा हो। उभरते जोखिमों को दो घटकों में बांट कर देखा जा सकता है– उर्वरक और पेट्रोलियम उत्पादों जैसे कच्चे माल की कम उपलब्धता के कारण जरूरी चीजों की कमी और मजबूत अल नीनो प्रभाव के कारण मॉनसून विपरीत रहने वाला है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों में बिकवाली कर रहे हैं जिसके चलते देश में शुद्ध पूंजी की आवक कम हो रही है। भुगतान संतुलन की चुनौतियां व्याप्त हैं और विनिमय दर पर दबाव उत्पन्न हुआ है। निजी कारोबारी क्षेत्र की ओर से धीमे निवेश की समस्या पहले से व्याप्त है। इस सूची में जहां दो शुरुआती घटकों पर ध्यान देने की जरूरत है वहीं देश की दीर्घकालिक वृद्धि संभावना तीसरे घटक पर कहीं अधिक निर्भर करती है।

पिछले दशक के दौरान कई अहम नीतिगत और नियामकीय बदलाव हुए। इनमें दिवालियापन और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) का पुनर्गठन और पूंजीगत आय पर कर लगाने के तरीके में बदलाव शामिल था। इस आलेख में इनमें से कुछ बदलावों के संभावित विपरीत प्रभावों को लेकर एक वैचारिक प्रयोग करने का प्रयास करेंगे। आईबीसी से शुरुआत करें तो इसे 2016 में इस स्पष्ट उद्देश्य के साथ पेश किया गया था कि वित्तीय अनुशासन लाया जाए और कॉरपोरेट में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाए। दस वर्ष बाद, इस संहिता ने कॉरपोरेट क्षेत्र में कुछ व्यवहारगत बदलावों को प्रेरित किया है।

प्रारंभिक अवधि में व्यापक स्तर पर ऋण लेने की प्रवृत्ति में उल्लेखनीय कमी देखी गई। बदले हुए नियामक वातावरण ने कॉरपोरेट निवेश व्यवहार में बदलाव पैदा किया। निवेश को संचित आय, योग्य संस्थागत प्लेसमेंट और इक्विटी बाजारों से वित्तपोषित करने की कोशिश की गई। दूसरे शब्दों में कंपनियों ने संचित आय का बड़ा भंडार बनाया ताकि अनिश्चित समय में ऋण चुकाने में मदद मिले और निवेश भी किया जा सके।

विचार प्रयोगः निवेश व्यवहार में इस बदलाव के परिणाम। इक्विटी, धन के स्रोत के रूप में, ऋण की तुलना में अधिक महंगी होती है। इक्विटी से जुड़ा जोखिम अधिक रिटर्न की मांग करता है। नियामक वातावरण में इस संरचनात्मक बदलाव के परिणामस्वरूप नए उपक्रमों पर अपेक्षित रिटर्न दर अधिक होनी चाहिए ताकि परियोजना को आगे बढ़ाया जा सके। क्या यह निवेश के लिए एक अवरोधक के रूप में काम कर सकता है?

इस प्रभाव को उस अवधि की विशिष्टताओं ने और मजबूत किया। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न आपूर्ति और मांग के झटके तथा पूंजी बाजारों से प्राप्त मजबूत रिटर्न। पहला कारक निवेश के लिए प्रोत्साहन को कम कर सकता है जबकि दूसरा कारक निवेश को व्यवहार्य और आकर्षक बनाने के लिए आवश्यक न्यूनतम रिटर्न सीमा को बढ़ा सकता है।

दूसरा महत्वपूर्ण नियामक परिवर्तन बीआईटी के पुनर्गठन से संबंधित है। व्हाइट इंडस्ट्रीज और वोडाफोन जैसे कई हाई-प्रोफाइल निवेशक-राज्य विवाद में हारने के बाद, भारत ने 2016 में लगभग 75 बीआईटी को एकतरफा रूप से समाप्त कर दिया। इसके बाद आया 2016 मॉडल बीआईटी राज्य की संप्रभुता की ओर झुका हुआ था। इसमें निवेशकों से अपेक्षा की गई कि वे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का सहारा लेने से पहले पांच वर्षों तक स्थानीय न्यायिक उपायों का सहारा लें। यह तर्क दिया जा सकता है कि नियामक व्यवस्था में इस तरह का बदलाव देश में निवेश को हतोत्साहित करेगा। भारत में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में तेज गिरावट इस कथन की पुष्टि करता प्रतीत होता है। विचार प्रयोगः बीआईटी पुनर्गठन का नकारात्मक प्रभाव शुद्ध एफडीआई प्रवाह में कमी के रूप में दिखना चाहिए या सकल एफडीआई प्रवाह में भी?

यदि यह बदला हुआ ढांचा विदेशी निवेशकों के लिए निवेश माहौल को और खराब करता है तो सकल प्रवाह भी प्रभावित होना चाहिए। हालांकि यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले 10 वर्षों में सकल एफडीआई प्रवाह में गिरावट केवल 2022-24 के दौरान दर्ज की गई। वर्ष 2025-26 में सकल एफडीआई प्रवाह 94.53 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सतत सकल एफडीआई प्रवाह के साथ समस्या कहीं और दिखाई देती है। शुद्ध एफडीआई प्रवाह में तेज गिरावट का एक अन्य कारण भारत से बाहर प्रत्यक्ष निवेश में वृद्धि है। इस घटक को भारतीय निवेशकों द्वारा रुचियों के स्वस्थ विविधीकरण के रूप में देखा जा सकता है।

वैकल्पिक रूप से यह भारत में घरेलू निवेश की चुनौतियों का प्रतिबिंब भी हो सकता है। यदि ऐसा है, तो यह चर्चा आईबीसी से जुड़ी हो सकती है। व्यावसायिक वातावरण में तीसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन पूंजी आय पर कराधान से संबंधित है। लाभांश और पूंजीगत लाभ पर कराधान में पिछले दशक में कुछ बदलाव हुए हैं। लाभांश पर कंपनी के हाथों में 20.56 फीसदी की दर से कर लगाया जाता था। वर्ष 2020 में इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया और अब ये आय निवेशक के हाथों में कर योग्य है।

दूसरी ओर सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) को फिर से लागू किया गया। वर्ष 2004 से 2018 की अवधि के दौरान सूचीबद्ध प्रतिभूतियों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) लगाया जाता था और वे एलटीसीजी कर से मुक्त थीं। 2018 में एलटीसीजी को पुनः लागू किया गया लेकिन एसटीटी को समाप्त नहीं किया गया। इन कदमों को मिलाकर देखा जाए तो यह पूंजी आय पर कर में वृद्धि का संकेत देता है, विशेषकर उच्च मूल्य वाले व्यक्तियों के लिए, जिनमें कंपनियों के प्रमोटर भी शामिल हैं।

विचार प्रयोगः क्या अधिक कर निवेश को हतोत्साहित करेंगे? हाल की कुछ सामग्री जिनमें अमेरिका और स्वीडन में लाभांश करों में कटौती के प्रभाव का अध्ययन किया गया है वह सुझाव देती हैं कि कर दर में कटौती से कुल निवेश में कोई बदलाव नहीं होता लेकिन यह व्यक्तिगत कंपनियों को अलग-अलग प्रभावित कर सकता है। विशेष रूप से उन कंपनियों के लिए जो निवेश को वित्तपोषित करने के लिए संचित आय पर निर्भर हैं, लाभांश करों में बदलाव निवेश निर्णयों के स्तर को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था को वास्तविक अर्थव्यवस्था में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए किसी तंत्र की आवश्यकता है। इक्विटी बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की निकासी और इसके परिणामस्वरूप इक्विटी बाजारों में निवेश पर रिटर्न दर में कमी नकदी-समृद्ध कॉरपोरेट क्षेत्र को वास्तविक अर्थव्यवस्था में निवेश की ओर ले जाने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है। यदि यह कारगर होता है, तो विदेशी पूंजी की रुचि को भी वापस ला सकता है।

-धनंजय राजौरा

चिकित्सा विज्ञान का अनुषंगी बन सकता है सहज ध्यान योग

चिकित्सा विज्ञान की अनुषंगी सहज ध्यान योग से हमारा तात्पर्य यह है कि यदि आधुनिक चिकित्सा के साथ ध्यान योग को पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जाय तो यह तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने और हृदय रोगों व पाचन समस्याओं जैसी स्थितियों में लाभकारी हो सकता है। सहज ध्यान योग से शारीरिक और मानसिक संतुलन स्थापित होता है, और यह निवारक, सहायक और पुनर्वास चिकित्सा का एक प्रभावी साधन सिद्ध होता है।

बीमारियाँ मन से गहराई से जुड़ी होती हैं, क्योंकि तनाव शारीरिक बीमारियों का कारण बनती है और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्थितियाँ (जैसे डिप्रेशन, चिंता) शरीर को कमजोर कर सकती हैं, जिससे दर्द, थकान और अन्य शारीरिक लक्षण दिखते हैं। यह एक दोतरफा रिश्ता है जहाँ मन और शरीर एक-दूसरे पर गहरा असर डालते हैं, जैसे थायरॉयड की समस्या डिप्रेशन का कारण बन सकती है, और तनाव हृदय रोगों को बढ़ा सकता है।

सहज योग की तकनीक में आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरते ही सुषुम्ना नाड़ी में सोई हुई कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर मध्य नाड़ी यानि सुषुम्ना से ऊपर उठती है और सिर के ऊपर सहस्त्रार चक्र का भेदन करती है, जिससे साधक ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ जाता है। चक्रों के जागृति से उसके अंदर स्वयं को देखने वाली दृष्टि आ जाती है जिससे वह अपने शारीरिक व मानसिक दोषों को देखकर उसे दूर करने की योग्यता पा लेता है। वैसे मामूली बीमारियों के लिए सिर्फ ध्यान योग ही काफी हो सकता है, लेकिन गंभीर या उन्नत अवस्था के रोगों में यह एकमात्र उपचार के रूप में पर्याप्त नहीं होता और इसे अन्य एलोपैथिक उपचारों के साथ पूरक के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सहज ध्यान योग की तकनीक में साधक अपने चारों ओर फैले ईश्वरीय चैतन्य से एकाकारिता पा लेता है और दूसरे व्यक्ति की शारीरिक मानसिक समस्या तक अपने चैतन्य को प्रसारित कर उसकी सहायता करने में समर्थ हो जाता है। यदि चिकित्सक और मरीज दोनों ही सहज योग प्रक्रिया से ध्यान करें तो रोग के सुधार में बेहतरीन रिजल्ट आयेंगे। जिस प्रकार डॉक्टर मरीज को स्टेथोस्कोप से चेक करते हैं वैसे सहज ध्यान से व्यक्ति के किस चक्र में समस्या है, ध्यानावस्था में उसका आभास हाथों की उंगलियों के पोर पर कर लेता है।

चिकित्सा विज्ञान (शरीर-केंद्रित) और आध्यात्मिक विज्ञान (मन-आत्मा-केंद्रित) है और एक-दूसरे के पूरक हैं, जहाँ विज्ञान रोगों का इलाज करता है और आध्यात्मिकता मानसिक शांति व संपूर्ण स्वास्थ्य देती है, और दोनों मिलकर व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं।

शिव महापुराण कथा का हुआ विश्राम, निकली शोभायात्रा

अधिकमास में नगरवासियों ने लिया धर्म का लाभ

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लालपुरा स्थित कायस्थ धर्मशाला में अधिकमास के उपलक्ष्य में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। यहां पं. मोहित मेहता ने श्रद्धालुओं को शिव महापुराण का वाचन कर हरि और हर के बारे में बताया। समापन अवसर पर नगर में चल शोभायात्रा निकाली गई, जिसका भी नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कथा के अंतिम दिन पं. मेहता ने सात दिनों तक चली इस कथा में हर अर्थात भगवान शिव और हरि अर्थात भगवान विष्णु की एकात्मता का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जहां हर हैं वहीं हरि हैं। शिव और विष्णु में भेद करने वाला कभी ईश्वर को नहीं पा सकता। पंडित जी ने बताया कि अधिक मास का यह माह पुण्य फल देने वाला होता है। शास्त्रों में कहा गया है कि अधिक मास में किया हुआ जप, तप, दान, धर्म आदि धर्म कार्य 100 गुना फल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को हर और हरी में भेद नहीं करना चाहिए। शिव हृदय है तो विष्णु धड़कन और विष्णु धड़कन है तो शिव हृदय है और फिर आप अपने इष्ट की आराधना सदा करते रहें। क्योंकि अंततः आप शिव तक ही पहुंचते हैं क्योंकि शिव ही हमारा अंतिम भगवत प्राप्ति है जो सदगति प्रदान करते हैं। कथा के अंतिम दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और हर-हर महादेव व नारायण नारायण के जयकारों से पूरा पंडाल गूंज उठा। इसके बाद शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कथा स्थल पहुंची जहां भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें नगर सहित जिले भर के भक्तों ने प्रसादी ग्रहण कर धर्म का लाभ लिया।

विश्व रक्तदान दिवस पर हुआ शिविर का आयोजन

आईएमए संस्था द्वारा पहली बार रक्तदान करने वालों को किया सम्मानित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व रक्तदान दिवस पर नगर की आईएमए संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगरवासियों ने स्वेच्छा से रक्तदान करते हुए अपना योगदान दिया। इस दौरान जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया था उन्हें सम्मानित भी किया गया।

दुपाड़ा रोड स्थित व्यास हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर पर रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जहां जिला अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. एस.डी. जायसवाल एवं उनकी टीम के सहयोग से रक्तदान कराया गया। शिविर में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बी.एस. मैना की उपस्थिति में आईएमए अध्यक्ष डॉ. शैलेश ठाकुर एवं सचिव डॉ. तेजपाल यादव द्वारा सभी उपस्थितजनों को नियमित रक्तदान की शपथ दिलाई गई। शिविर में कुल 19 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। समापन अवसर पर सभी रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

प्रमुख मित्र गण व्हाट्सएप ग्रुप ने किया जन्मोत्सव समारोह का आयोजन

निजी होटल में किया कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रमुख मित्रगण व्हाट्सएप ग्रुप द्वारा जन्मोत्सव समारोह मनाया गया। इस दौरान जिन सदस्यों का इस माह जन्मदिन था उन्हें सम्मानित कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस दौरान ग्रुप के बुजुर्ग सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र शर्मा थे तथा अध्यक्षता विजय आचार्य ने की। इस अवसर पर ग्रुप के संरक्षक हरिनारायण भुवन्ता भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर की गई। इसके बाद सभी ने जन्मदिन की खुशियां मनाई और जिनका जन्मदिन था उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंटकर पुष्पमालाओं से उनका स्वागत किया गया। इस दौरान जन्मदिवस वाले सदस्यों ने अपने अनुभव साझा किए और युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रुप के डॉ. विजय पाठक ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि यह ग्रुप हम सभी के मिलने का साधन है जहां हम एक दिन एक साथ रहकर अपने जीवन के सुखद पल बिता सकें। ग्रुप के मुख्य एडमीन ओम पाठक ने सभी सदस्यों के स्नेह की प्रशंसा की। इस अवसर पर अजय शर्मा, दीपक शर्मा, राजेश वर्मा ने गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम में प्रभारी श्री चोहान साहब, केलाश सर्राफ, श्री कटारिया, श्री भदोरिया, पुरणलाल तोमर, आलोक माथुर, शिवशंकर सूर्यवंशी, अजय पोल, अखलाक कुरेशी, संजय नागर का सराहनीय सहयोग रहा। संचालन मनोज आर्य ने किया तथा आभार इलियास शेख कुरेशी ने माना।

नगर में शुरू हुआ हल्की बारिश का दौर, मानसून के लिए अभी इंतजार

देर रात गरज-चमक के साथ हुई बारिश से मौसम में घुली ठंडक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्री-मानसून की दो दिन की बारिश के बाद से नगरवासी फिर गर्मी और उमस का सामना कर रहे हैं। हालांकि इन दिनों रूक-रूककर हो रही बारिश जरूर फोरी राहत दे रही है, लेकिन तेज बारिश के लिए अभी नगरवासियों को इंतजार करना होगा, क्योंकि मानसून की रफ्तार बहुत धीमी है जिसे यहां पहुंचने में अभी 10 दिन का समय और लग सकता है।

इन दिनों आसमान पर बादल छा रहे हैं जिससे धूप कम ही निकल रही है ओर तापमान में भी उतार-चढ़ाव जारी है। रविवार को भी नगर का अधिकतम तापमान 36.8 व न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री दर्ज किया गया। इसके पहले शनिवार रात को भी गरज-चमक के साथ बारिश हुई थी जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। इसके बाद दिनभर बादल छाए रहे। उम्मीद थी कि रविवार को भी बारिश होगी लेकिन आसमान पर छाए बादल हवाओं के साथ आगे निकल गए और नगरवासी आसमान ताकते रह गए। वहीं शाम को भी आसमान काले बादलों से ढंका हुआ था लेकिन कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि रविवार रात को भी बारिश की संभावना तो है, लेकिन सिस्टम कमजोर होने से स्पष्ट तरीके से कुछ कहा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि अभी मानसूनी बारिश के लिए भी करीब 10 दिनों का इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि मानसून आगे तो बढ़ रहा है, जिसकी गति काफी धीमी है। उन्होंने बताया कि इस माह एकाध बार तेज बारिश हो सकती है। लेकिन मानसून के लिए अगले माह तक इंतजार करना पड़ सकता है।

गर्मी व उमस से हो रहा बुरा हाल- रूक-रूककर हो रही हल्की बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिल रही है, लेकिन बारिश थमते ही उमस से लोगों का बुरा हाल हो रहा है और लोगों का कूलर व एसी के बिना गुजारा नहीं हो रहा है। इधर बारिश के अभाव में जलस्त्रोत भी अंतिम सांसे गिन रहे हैं। यदि जल्द ही बारिश नहीं हुई तो स्थिति खराब हो सकती है।

अब तक 4 इंच वर्षा दर्ज- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि शनिवार रात को भी बारिश हुई थी। जिसके चलते 1 जून से अब तक 107 एमएम यानि 4 इंच वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं आगामी दिनों में भी बारिश की संभावना बनी हुई है। यदि मानसून तेजी से आगे बढ़ता है तो इसी माह अच्छी वर्षा होकर गर्मी से राहत मिल सकती है।

अब तक 1 लाख 82 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत द्वितीय चरण के अंतिम दिन 13 जून तक प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में 1 लाख 82 हजार 473 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। द्वितीय चरण में अब तक 86 हजार 679 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें 64 हजार 535 विद्यार्थी स्नातक (त्न) तथा 22 हजार 141 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी हैं। इससे पूर्व प्रथम चरण में 72 हजार 477 विद्यार्थियों ने स्नातक तथा 17 हजार 463 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया था। अब तक कुल प्रवेशित विद्यार्थियों में 1 लाख 37 हजार 12 विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रमों, 39 हजार 607 विद्यार्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तथा 5 हजार 854 विद्यार्थी एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले चुके हैं।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण में आवंटित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित है। विभाग ने विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर शुल्क जमा कर प्रवेश सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

प्रत्यूष ने पूरी की आईएमए ट्रेनिंग, पिता ने किए हर्ष फायर

लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार नगर पहुंचने पर परिजनों ने मनाई खुशी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंद्रानगर निवासी प्रत्यूष सिंह कुशवाह इंडियन मिलिट्री अकादमी (आईएमए) देहरादून से एक वर्ष का सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर रविवार को अपने गृह नगर शाजापुर पहुंचे। भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने के बाद पहली बार उनके आगमन पर परिवारजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रत्यूष के घर पहुंचते ही पिता ने हर्ष फायर किए। लोगों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। मां ने उनकी आरती उतार मुंह मीठा कराया। लेफ्टिनेंट प्रत्यूष सिंह कुशवाह ने बताया कि उनका बचपन से ही भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना था। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की और आईएमए देहरादून में कठोर सैन्य प्रशिक्षण लिया। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में सेवा करना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। उनका पूरा जीवन देश सेवा के लिए समर्पित रहेगा। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनने पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जो एक सैनिक के लिए आवश्यक है। प्रत्यूष के पिता सूरज सिंह कुशवाह ने बेटे की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उसने कठिन परिश्रम और लगन से अपना सपना पूरा किया है। उनकी माता ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि देश सेवा से बढ़कर कोई सम्मान नहीं है। स्वागत समारोह के दौरान उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान कुछ लोग जुलूस के साथ बंदूक लेकर चलते दिखे और घर के बाहर हर्ष व्यक्त करने के लिए हवाई फायरिंग भी की गई।

लकड़ी से भरी ट्राली और ट्रक की हुई भिड़ंत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह नेशनल हाईवे-52 पर ट्रैक्टर-ट्राली और ट्रक की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। हादसा लालघाटी थाना क्षेत्र के भेरू डूंगरी के पास हुआ। जहां ट्रेक्टर में भरे लकड़ी के गुटके सड़क पर बिखर गए जिससे कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। बताया जाता है कि सुबह करीब 9 से 10 बजे के बीच लकड़ी के गुटकों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली और एक ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक मज्जू पिता रईस खान निवासी शाजापुर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। पायलट किरण और आरक्षक निलेश ने घायल चालक को तत्काल जिला अस्पताल शाजापुर पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्राली में भरी लकड़ियां सड़क पर फैल गई। इससे हाईवे पर वाहनों की आवाजाही कुछ समय के लिए बाधित हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सड़क से लकड़ियां हटवाई और यातायात को सामान्य कराया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्राली शाजापुर की एक लकड़ी टाल से लकड़ी लेकर ढाबा संचालक को सप्लाई देने जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक में सवार दो लोग तथा दो अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है और मामले की जांच की जा रही है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तवीरों का सम्मान, 31 यूनिट रक्तदान से जीवन बचाने का संदेश

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार 14 जून को श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय विदिशा में स्थित ब्लड बैंक द्वारा रक्तदाता सम्मान समारोह एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. अनूप वर्मा, ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुशवाहा तथा परामर्शदाता श्री संजय सोनी ने स्वैच्छिक रक्तदाताओं एवं रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदाताओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है, जो अनगिनत लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बनता है।

सम्मान समारोह में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं से जुड़े व्यक्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें मगधम स्कूल के डायरेक्टर श्री नवल किशोर, केमिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि, जैन कॉलेज की अंकिता मैडम, रोटरी क्लब से डॉ. दिनेश शर्मा, आईएमए से डॉ. एम.के. जैन, जेडीए के अध्यक्ष डॉ. विमल मेहरा, अदानी समूह से श्री अतुल जी, वरिष्ठ रक्तदाता श्री बाबू भाई, श्री नितिन नेमा, परिषद से श्री आदित्य रघुवंशी तथा श्री निखिल जी (एचडीएफसी बैंक) सहित अनेक रक्तवीरों को सम्मानित किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है, बल्कि यह सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं का भी प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं में रक्तदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है और नियमित रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।

गौभोजनम् अभियान के माध्यम से गौसेवा का दिया गया संदेश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर की सामाजिक संस्था संडे के सुकून द्वारा संचालित गौसेवा अभियान गौभोजनम् का सफलतापूर्वक समापन किया गया। अभियान के माध्यम से ग्रीष्मकाल के दौरान नगर में विचरण करने वाले गौवंश को भोजन, पानी, पशु आहार एवं हरी घास उपलब्ध कराई गई।

संस्था के सदस्यों ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान अनेक स्थानों पर गौवंश भोजन एवं पेयजल के अभाव में परेशान होते हैं तथा कचरे में भोजन तलाशने को विवश हो जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए गौभोजनम् अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन नगर के विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों गौवंश के लिए भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था की गई।

अभियान के दौरान नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अनेक लोगों ने अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा परिजनों की पुण्यतिथि के अवसर पर गौसेवा कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। बच्चों एवं युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए गौवंश के लिए भोजन एवं जल की व्यवस्था में सहयोग किया।

संस्था के सदस्यों द्वारा लगातार दूसरे वर्ष प्रतिदिन प्रातः गौसेवा वाहन के माध्यम से नगर में स्थापित भोजन पात्रों एवं जल पात्रों को भरा गया, जिससे सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश को दिनभर भोजन एवं पेयजल उपलब्ध हो सका। इसके साथ ही संस्था द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पौधों एवं गमलों की भी नियमित सिंचाई की गई, जिससे पौधे हरे-भरे बने रहे।

समापन अवसर पर संस्था के सदस्यों ने नागरिकों से प्रतिदिन प्रथम दो रोटियां गौवंश के लिए निकालने तथा गौसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि समाज की सहभागिता से गौसंरक्षण एवं गौसेवा के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली के विरोध में आज नगरवासी देंगे ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में सोमवार को किसान संगठन, भू-स्वामी, अधिवक्ता, सर्विस प्रोवाईडर आदि मिलकर तहसील कार्यालय की कार्यप्रणाली के विरोध में ज्ञापन सौंपेंगे। पीड़ितों ने बताया कि तहसील शाजापुर में पिछले लगभग 8 महीनों के दौरान नामांतरण, फौती नामांतरण, बंटवारा, इंद्राज दुरुस्ती, सीमांकन, भूमि अभिलेख सुधार सहित लगभग 200 राजस्व प्रकरण निरस्त किए गए हैं। जिसके विरोध में पीड़ित नागरिकों, किसान संगठनों, भू-स्वामियों, अधिवक्ताओं, सर्विस प्रोवाइडरों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा इन प्रकरणों की निष्पक्ष जांच, निरस्त आदेशों की समीक्षा तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की जाएगी। ज्ञापन में रजिस्ट्री के बाद नामांतरण प्रक्रिया में आम जनता को होने वाली परेशानियों एवं राजस्व कार्यों में आ रही बाधाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। सभी क्षेत्रवासियों से मंगलवार दोपहर 12 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जनहित की इस मुहिम में शामिल होने की अपील की गई है।

'आईटीआई चले अभियान' ने पकड़ी गति

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले में संचालित समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026-27 के प्रवेश को लेकर चलाया जा रहा आईटीआई चले अभियान अब जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। जिले के सभी विकासखंडों में शासकीय आईटीआई के अधिकारी एवं कर्मचारी अधिक से अधिक युवाओं तक तकनीकी शिक्षा एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण की जानकारी पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत हैं।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में तैयार कार्ययोजना के अनुसार प्रत्येक विकासखंड में प्रवेश जागरूकता गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, छात्रावासों, महिला समूहों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं सामुदायिक कार्यक्रमों में पहुंचकर युवाओं एवं अभिभावकों को आईटीआई के लाभों से अवगत कराया जा रहा है।

विशेष बात यह है कि प्रवेश अभियान को सफल बनाने के लिए आईटीआई स्टॉफ द्वारा अवकाश एवं छुट्टी के दिनों में भी निरंतर जनसंपर्क किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घर-घर संपर्क, मार्गदर्शन शिविर, काउंसलिंग सत्र एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को रोजगार की पढ़ाई से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के प्रत्येक पात्र युवक एवं युवती तक आईटीआई की जानकारी पहुंचाना तथा उन्हें कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार एवं उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ना है। सभी विकासखंडों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर प्रवेश बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति अपनाई है।

जिला प्रशासन एवं कौशल विकास विभाग का लक्ष्य है कि जिले के समस्त शासकीय आईटीआई में अधिकतम प्रवेश सुनिश्चित कर प्रत्येक युवा को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ा जाए। इसी उद्देश्य से सभी संस्थान एक लक्ष्य, एक संकल्प और एक दिशा के साथ कार्य कर रहे हैं।

मलेरिया निरोधक माह के तहत जागरूकता रथ रवाना

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत जिले में मच्छरजनित रोगों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को विदिशा विकासखंड के ग्राम बेरखेड़ी जेतू से मलेरिया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री मुकेश टंडन ने रथ को रवाना करते हुए आमजन से मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग के उपाध्यक्ष श्री राकेश सिंह जादौन, पूर्व जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि मलेरिया जागरूकता रथ जिले के सभी विकासखंडों के हाई रिस्क ग्रामों में भ्रमण करेगा। रथ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के कारण, लक्षण, बचाव एवं उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों को अपने घरों और आसपास स्वच्छता बनाए रखने, जलभराव को रोकने तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जागरूकता रथ केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। भ्रमण के दौरान बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की मौके पर जांच की जाएगी तथा मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने वाले मरीजों को तत्काल निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार मलेरिया संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। इससे बचाव के लिए मच्छरदानी का नियमित उपयोग, घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखना तथा पानी को जमा नहीं होने देना अत्यंत आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि बुखार आने पर तुरंत जांच कराएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं आशा कार्यकर्ताओं के पास मलेरिया जांच की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है। नागरिक इन सेवाओं का लाभ उठाकर समय पर जांच और उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और जागरूकता के माध्यम से ही मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

मलेरिया निरोधक माह के तहत संचालित यह जागरूकता अभियान जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने और मच्छरजनित रोगों की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

विकासखण?ड सोनकच्छ में हितलाभ वितरण के लिए तीसरे दिन भी जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 12 से 18 जून 2026 की अवधि में प्रत्येक विकासखण्ड मुख्यालयों पर केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत छूटे हुये पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए 03 दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिसके तहत विकासखण्ड सोनकच्छ में जनकल्याणकारी हितलाभ वितरण के लिए तृतीय एवं अंतिम दिवस भी शिविर का आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण सोनकच्छ में किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य पेशन एवं संबल योजनाओं का प्रचार प्रसार एवं लक्ष्य पूर्ति, केसीसी एवं कृषि विभाग की योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति साथ ही सीएम हेल्पलाइन शिकायत निराकरण एवं जिले के नागरिको की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करना और शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं को सीधे जनता तक पहुँचाना रहा। इस अवसर पर स्वास्थ विभाग द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए श्रम योगी मान धन योजना के अंतर्गत पंजीयन किये गए। वीबी जी राम जी योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। पशु विभाग द्वारा ग्रामीणों को जानकारी दी गई केसीसी ऑनलाइन किए गए।

शिविर स्थल पर शासन के सभी प्रमुख विभागों द्वारा विकास योजनाओं के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र भी जमा किये गए। शिविर में विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम का आभार मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री गीतिका सोनी द्वारा माना गया।

समाज के नव निर्माण में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण – पंकज पवैया

आलोट में श्रमजीवी पत्रकार संघ का पत्रकार परिचय-पत्र वितरण एवं सम्मेलन संपन्न

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्रकार समाज का आईना होता है तथा समाज के नव निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका होती है। प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है और यही वह माध्यम है जो शासन, प्रशासन एवं जनता के बीच सेतु का कार्य करता है। यह बात शुक्रवार को अंबेडकर मांगलिक भवन में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ, तहसील इकाई आलोट द्वारा आयोजित पत्रकार परिचय-पत्र वितरण समारोह एवं सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि तहसीलदार पंकज पवैया ने कही।

उन्होंने कहा कि पत्रकार और प्रशासन एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं। जहां तथ्यात्मक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता प्रमाणिकता का वातावरण निर्मित करती है, वहीं प्रशासन उसी प्रमाणिकता के आधार पर समाज एवं क्षेत्र के विकास के नए आयाम स्थापित करता है। उन्होंने स्वच्छता एवं जन-जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नगर में निरंतर सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। जनगणना एवं अन्य शासकीय कार्यों की व्यस्तता के कारण इसकी गति कुछ समय के लिए धीमी हुई है, लेकिन शीघ्र ही जनसहयोग से इसे पुनः गति प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संघ के संभाग अध्यक्ष प्रीतिपाल सिंह राणा ने कहा कि मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ प्रदेश का ऐसा संगठन है जो भारतीय श्रम अधिनियम के तहत पंजीकृत होकर पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ रहा है। पत्रकार बीमा योजना, अधिमान्यता, पेंशन सहित कई मांगों को पूरा करवाने में संगठन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा वर्तमान में पत्रकार सुरक्षा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग को लेकर सतत आंदोलनरत है।

सम्मेलन में उपस्थित आलोट प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ. सुनील चोपड़ा ने कहा कि आलोट क्षेत्र के पत्रकार आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ सकारात्मक पत्रकारिता कर रहे हैं। उन्होंने श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकार हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए पदाधिकारियों को बधाई दी।

जिलाध्यक्ष राजेश जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश में श्रमजीवी पत्रकार संघ पिछले चार दशकों से पत्रकारों के अधिकारों के लिए संघर्षरत है और प्रदेश के सभी जिलों में संगठन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने आगामी 29 जून को रतलाम में आयोजित होने वाले संभागीय सम्मेलन की जानकारी देते हुए सभी पत्रकारों को उसमें सहभागी बनने का आमंत्रण दिया।

आलोट थाना प्रभारी के प्रतिनिधि के रूप में मनोज पाटीदार ने प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मीडिया के माध्यम से प्रशासन तक सूचनाएं पहुंचाना तथा शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना अधिक प्रभावी एवं सरल होता है। उन्होंने पत्रकारों से क्षेत्र की समस्याओं एवं सकारात्मक गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर प्रशासन तक पहुंचाने का आग्रह किया, जिससे जनहित में प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि आलोट एसडीओपी पल्लवी गौर भी कार्यक्रम के अंतिम चरण में आयोजन स्थल पर पहुंचीं और उपस्थित पत्रकारों से रूबरू होकर चर्चा की। उन्होंने मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की कार्यशैली को समझा तथा पत्रकारों से संवाद किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर संघ के तहसील अध्यक्ष दुर्गा शंकर पहाड़िया, महासचिव जीतू वरोला एवं पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। समारोह में पत्रकारों को संगठन के परिचय-पत्र वितरित किए गए तथा पत्रकार सुरक्षा कानून, मीडिया-प्रशासन समन्वय, संगठन की मजबूती एवं आगामी संभागीय सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर संभागीय महासचिव विजय मीणा, जिला महासचिव दिनेश दवे, संभागीय सह सचिव योगेंद्र सिंह जाट, राकेश चौहान (पिंटू), विनय निगम, अनिल भरावा, दिनेश शुक्ला, वैभव मंदलीय, सुनील दत्तीया (मंडावल), कमलेश शर्मा मेलुखेड़ी ,दिनेश त्रिवेदी,नागेंद्र सिंह सोलंकी, दीपक जोशी, राजू टेलर, कपिल जंगलवा, वाहिद खान पठान (ताल), धर्मेंद्र भट्ट (ताल) पवन सोनी, ओपन पुरोहित तथा आलोट प्रेस क्लब सचिव निलेश जंगलवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का संचालन राकेश चौहान (पिंटू) ने किया। अंत में तहसील अध्यक्ष दुर्गा शंकर पहाड़िया ने सभी अतिथियों, पत्रकार साथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

प्रदोष व्रत पर सभी शिवालयों के साथ हर घर में अभिषेक की गूंज

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध कथा वाचक लोकप्रिय संत पंडित श्री प्रदीप जी मिश्रा के द्वारा अधिक मांस के प्रदोष व्रत पर किवी चेनलो के माध्यम से ओन लाइन अभिषेक कराया गया जिसमें आलोट क्षैत्र कै प्रसिद्ध स्थल श्री कुबरेश्वर धाम महादेव मंदिर आलोट पर एवम श्री हरिहर पंचायतन मंदिर अरिहंत कालोनी में सभी महिला मंडल ने अभिषेक कर लाभ लिया वहीं महा आरती कर छप्पन भोग लगाया गया आलोट कुंबरैश्वर धाम महादेव मंदिर समिति आलोट द्वारा भी प्रदोष व्रत पर हर माह अभिषेक किया जाता है वहीं रात्री में हर घर में ओन लाइन अभिषेक की गूंज हर गली मोहल्लों में गूंजती नजर आई वहीं पूरे आलोट शहर में सुबह से बाजारो में दही नहीं मिल रहा था और जो अभिषेक की सामग्री लैनै के लिए भक्तों की भीड़ नजर में देखी गई आलोट के अरिहंत कालोनी में शिव मंदिर में पुरै माह से अभिषेक अधिक माह? में विशेष रूप से प्रवचन मंत्रोचारण के साथ देखने को मिला महिला मंडल प्रतिदिन बड़ी संख्या में लाभ ले रही थी श्री कुंबरैश्वर धाम महादेव मंदिर आलोट समिती द्वारा श्रावण मास को लेकर बड़ी तैयारी कर रही है जहां लग भग पुरे माह विभिन्न आयोजन होंगे।

जनकल्याण शिविर में हितग्राहियों को मिला शासन की योजनाओं का लाभ

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार जनपद पंचायत बदरवास एवं नगर परिषद बदरवास के संयुक्त तत्वाधान में 12 से 14 जून 2026 तक तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का आयोजन जनपद पंचायत प्रांगण में किया गया। शिविर का समापन 14 जून को हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर किया गया।शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों ने बड़ी संख्या में शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में लगभग 14 हजार आवेदनों का निराकरण किया गया, जबकि सतत रूप से प्राप्त होने वाले अन्य आवेदनों के निराकरण की कार्यवाही भी संबंधित विभागों द्वारा जारी रहेगी।एसडीएम कोलारस श्री अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा आवश्यकतानुसार हितलाभ एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में ग्रामीण एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाया।उन्होंने बताया कि जनकल्याण शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक सरल एवं सुगम तरीके से पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है।

ट्रक में लगी आग से हाईवे पर अफरा-तफरी, फायर ब्रिगेड के छोटे टैंक से बढ़ी चुनौती, कई घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। झालावाड़-उज्जैन नेशनल हाईवे-552ए स्थित मोड़ी चौराहे पर रविवार सुबह डीओसी (डी-ऑयल केक) से भरे एक ट्रक में अचानक आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। कई घंटों तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक मोड़ी चौराहे से गुजर रहा था तभी उसमें से धुआं निकलता दिखाई दिया। कुछ ही देर में ट्रक के पीछे के हिस्से से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ट्रक में भरा डीओसी भी इसकी चपेट में आ गया।

मौके पर लगी लोगों की भीड़- घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। आग की भयावहता को देखते हुए हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा और यातायात को नियंत्रित किया।

छोटे टैंक के कारण बढ़ी चुनौती- सूचना मिलने पर नगर परिषद सुसनेर की फायर ब्रिगेड तत्काल मौके पर पहुंची लेकिन फायर वाहन के टैंक की क्षमता कम होने के कारण उसे दो से तीन बार पानी भरने के लिए जाना पड़ा। इससे आग बुझाने में अतिरिक्त समय लगा और चुनौती बढ़ गई।

सोयत से बुलानी पड़ी अतिरिक्त फायर ब्रिगेड- आग की गंभीरता को देखते हुए सोयत से भी फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर बुलाया गया। दोनों दमकल वाहनों और पानी के टैंकरों की सहायता से लगातार कई घंटों तक प्रयास किए गए, जिसके बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सका।

जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मौके पर- घटना की सूचना मिलते ही नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, एसडीओपी देवनारायण यादव, थाना प्रभारी अक्षय बेस सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विद्युत विभाग रहा अलर्ट- आग के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए विद्युत विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र की बिजली सप्लाई अस्थायी रूप से बंद कर दी गई जिससे किसी भी प्रकार के विद्युत हादसे की संभावना को टाला जा सके।

जांच में जुटा प्रशासन- आग की घटना में ट्रक को काफी नुकसान पहुंचा है हालांकि किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

पीएम पोषण योजना की समीक्षा, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, बच्चों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण भोजन पर विशेष जोर

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (पीएम पोषण) की जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं मूल्यांकन से संबंधित बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति, पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन तथा आगामी शैक्षणिक सत्र और वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 16 जून से विद्यालयों के पुनः प्रारंभ होने तथा वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व जिले की सभी शालाओं का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कहीं भी किसी प्रकार की अनियमितता या शिकायत की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी विद्यालयों में किचनशेड की साफ-सफाई, सुरक्षा और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। भोजन केवल सुरक्षित एवं उपयुक्त कक्षों में ही तैयार कराया जाए। जिन स्थानों पर किचनशेड क्षतिग्रस्त हैं, उनकी सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।

आज से आरंभ होगा दाऊदी बोहरा समुदाय का 10 दिवसीय मातमी पर्व

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिया दाऊदी बोहरा समाज का नया वर्ष मिसरी कैलेंडर के अनुसार 1448 हिजरी सन् 15 जून 2026 से प्रारंभ होगा। हालांकि नए साल का शुभारम्भ माह मोहर्रम की पहली तारीख से होगा लेकिन बोहरा समुदाय नव वर्ष को हर्षोल्लास के बजाए 10 दिनों के मातमी पर्व के रूप में मनाता है। ज्ञात हो की मोहरर्म की 10 तारीख को पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लाहु अलैहि वसल्लम के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार को करबाला में कुरुर शासक यजीद ने कत्ल करवा दिया था। तभी से शिया मुस्लिम इस दिन को मातम के रूप में मनाते चले आ रहे हैं।

दाऊदी बोहरा समाज सुसनेर के वरिष्ठ समाजजन आशिक हुसैन बोहरा ने बताया कि मोहर्रम की दूसरी तारीख से कर्बला की ऐतिहासिक घटना और इमाम हुसैन (अ.स.) तथा उनके परिवार पर हुए अत्याचारों का वर्णन समाज की मस्जिदों में विशेष वाअज कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाएगा। मुल्ला मुस्तफा भाई बोहरा रामपुरा वाला के अनुसार धर्मगुरु की रजा मुबारक से उनके प्रतिनिधि समाजजनों को कर्बला का वाकिया और और हजरत इमाम हुसैन की कुरबानी की महत्ता से रूबरू कराएंगे मोहर्रम की 10वीं तारीख, आशूरा के दिन, समाजजन अपना समस्त कारोबार बंद रखेंगे, हालांकि विगत सालों की तरह इन 10 दिनों में समस्त कारोबार बंद करना है या सिर्फ एक दिन इसके निर्देश भी मुंबई से आने वाले हैं और मस्जिदों में आयोजित मजलिसों में शामिल होकर इमाम हुसैन एवं उनके परिजनों की शहादत को याद करेंगे। यह दिन दाऊदी बोहरा समाज के लिए सबसे बड़े गम का दिन माना जाता है, जिसमें समाजजन मातम कर अपने दुख और श्रद्धा का इजहार करते हैं। इस वर्ष भी समाज के 53वें धर्मगुरु, डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन लंदन से मोहर्रम के अवसर पर विशेष वाअज फरमाएंगे, जिनका प्रसारण ऑडियो-वीडियो माध्यमों से सुसनेर सहित विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र का भूमिपूजन, किसानों को मिलेगा आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले के ग्राम बेरखेड़ी जैतू में आज कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके) का भूमिपूजन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विधिवत पूजन-अर्चन कर कृषि विज्ञान केन्द्र के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना व विदिशा संसदीय क्षेत्र के विधायकगणों के साथ साथ अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक समेत केन्द्र व प्रदेश के कृषि विभाग से संबंधित अधिकारियो के अलावा तथा बड़ी संख्या में कृषकगणो के अलावा अन्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए- प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से हरसंभव प्रयास कर रही हैं।

विश्व रक्तदान दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित कुल 111 यूनिट रक्त संग्रहित

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वर्गीय मदनलाल जी नाहर एवं श्रीमती संगीता नाहर की पुण्य स्मृति में भारत विकास परिषद शाखा जावरा, बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जावरा एवं लायंस क्लब स्टेटिक के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, सिविल हॉस्पिटल रतलाम कि टीम द्वारा रक्त संग्रहन किया गया।

शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 111 यूनिट रक्तदान किया।

शिविर में 105 पुरुष एवं 6 महिलाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का परिचय दिया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था के रक्त साथी सुदीप भारती ने अपनी धर्मपत्नी एवं बच्चे के साथ शिविर में सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरुआत अपने परिवार से होनी चाहिए और रक्तदान के प्रति समाज को प्रेरित करने का यह सबसे अच्छा माध्यम है।

शिविर में एक 25 वर्षीय युवती आकांक्षा ने भी अपने जीवन का पहला रक्तदान किया। आकांक्षा लंबे समय से संस्था के जागरूकता अभियानों में सेवाएं दे रही थीं और विश्व रक्तदान दिवस पर उन्होंने स्वयं रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं संस्था की मातृशक्ति समूह से सरोज सूदीप भारती सहित अन्य महिलाओं ने भी रक्तदान कर समाज में जागरूकता का संदेश दिया।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था की जावरा शाखा पिछले लगभग 10 वर्षों से लगातार रक्तदान जागरूकता अभियान चला रही है। रक्त साथियों द्वारा गांव-गांव एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को रक्तदान के महत्व से अवगत कराया गया, जिसका सकारात्मक परिणाम इस शिविर में देखने को मिला। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना एवं अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है।

शिविर में भारत विकास परिषद से शेखर नाहर, गोपाल सेठिया एवं निलेश जोशी, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी से वीरेंद्र सिसोदिया, धर्मेंद्र तोमर एवं मनोज अग्रवाल, तथा लायंस क्लब स्टेटिक से मदन सिंह एवं सुरेश राका सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था के संस्थापक प्रवीण व्यास के नेतृत्व में पवन डागी, मंगलेश पाटीदार, महेश पाटीदार, विनोद व्यास, आकांक्षा,भारती सोलंकी, पूजा बैरागी, सूरज एवं विशाल सहित सभी रक्त साथियों ने शिविर की व्यवस्थाओं एवं संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया।

75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का हुआ प्रतिभा सम्मान

क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी सुरेश पटेल की अध्यक्षता मेंआयोजित हुवा

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सिद्ध महाकालिका धाम जन कल्याण समिति (जम्बूड़ी हप्सी), गोम्मटगिरि द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु क्षत्रिय कलोता समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना तथा समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना रहा। समारोह में विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें आगे भी कड़ी मेहनत और लगन के साथ सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर क्षत्रिय कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी सुरेश जी पटेल की अध्यक्षता के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही समाज के वरिष्ठजन, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनता है। कार्यक्रम समिति के नीतेश गौड़,पवन तंवर, अनिल ठाकुर बामोरा, अमित मौर्य इंदौर सहित पूरी टीम बधाई की पात्र है कार्यक्रम का समापन सभी सम्मानित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं एवं समाज की निरंतर प्रगति के संकल्प के साथ हुआ।

जनकल्याण शिविर में हुआ समस्याओं का निराकरण

शिवपुरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत खनियाधाना में 12 से 14 जून तक आयोजित तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 हजार 599 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निराकरण करते हुए हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई।जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ वितरणशिविर के प्रथम दिवस का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक श्री प्रीतम सिंह लोधी द्वारा किया गया। उन्होंने शिविर का अवलोकन कर विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की जानकारी ली तथा पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर बल दिया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

जीवनधारा पोर्टल से रक्तदाताओं और जरूरतमंदों को मिलेगा एकीकृत मंच

रक्तदान पंजीयन, आपातकालीन सहायता, स्वयंसेवक नेटवर्क एवं सिकल सेल जागरूकता की सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने तथा स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन झाबुआ द्वारा संचालित जीवनधारा अभियान - एक बूंद उम्मीद की के अंतर्गत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जीवनधारा शुभारंभ महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा किया गया है। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में लोक सेवा प्रबंधक श्री संत कुमार चौबे द्वारा ऑनलाइन पोर्टल डेवलव किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से जिले के नागरिक, रक्तदाता, स्वयंसेवक, अस्पताल एवं ब्लड बैंक एक साझा नेटवर्क से जुड़ सकेंगे।

पोर्टल www.jivandhara.online पर इच्छुक नागरिक सरल प्रक्रिया के माध्यम से रक्तदाता के रूप में पंजीयन कर सकते हैं। इसके लिए नाम, ब्लड ग्रुप एवं मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी सत्यापन करना होगा। पंजीयन के पश्चात आवश्यकता पड़ने पर संबंधित रक्त समूह के दानदाताओं से शीघ्र संपर्क स्थापित किया जा सकेगा।

जीवनधारा पोर्टल के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में 24म7 सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, जिससे रक्त की आवश्यकता होने पर उपयुक्त रक्तदाता की जानकारी तुरंत प्राप्त की जा सके। इसके साथ ही ऐसे नागरिक जो स्वयं रक्तदान नहीं कर सकते, वे स्वयंसेवक के रूप में पंजीयन कर रक्तदान शिविरों के आयोजन, जनजागरूकता गतिविधियों तथा समन्वय कार्यों में सहयोग कर सकते हैं।

झाबुआ जिले में सिकल सेल बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। जिले की बड़ी जनजातीय आबादी इस बीमारी से प्रभावित है। पोर्टल पर सिकल सेल संबंधी जागरूकता सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे नागरिक इस बीमारी के प्रति जागरूक होकर रक्तदान के महत्व को समझ सकेंगे। एक यूनिट रक्त किसी मरीज को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अस्पतालों एवं ब्लड बैंकों के लिए भी यह पोर्टल अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। इसके माध्यम से विभिन्न रक्त समूहों के सत्यापित दानदाताओं की सूची उपलब्ध रहेगी, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में शीघ्र समन्वय संभव हो सकेगा।

जमीन का फर्जी मलिक बनकर की 38.92 लाख की धोखाधड़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूसरों की जमीन अपनी बताकर बेचने के मामले लगातार सामने आ रहे है। शनिवार को नया मामला महिदपुर से सामने आया। 1.50 करोड़ में 13 बीघा जमीन का सौदा कर फर्जी अनुबंध कर 38.92 लाख रूपये ले लिये गये। पुलिस ने जांच के बाद मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

महिदपुर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि इंगोरिया के ग्राम कंथारखेड़ी में रहने वाले नवलसिंह पिता पीरूलाल राजावत ने लिखित शिकायती आवेदन दिया था कि उन्होने अपनी जमीन साढें सात बीघा जमीन का सौदा 37 लाख बीघा में वर्ष 2024 में इंदौर के व्यक्ति से किया था। उसके बाद दूसरी जमीन की तलाश में था। उस दौरान ग्राम बंजारी में रहने वाले विकास ने पता चला कि ग्राम झरखेड़ी में रहने वाले बालूसिंह द्वारा जमीन खरीदी-बेची जाती है। ग्राम बैजनाथ में उसका आफिस है। बालूसिंह से संपर्क कर जमीन खरीदने की बात कहीं तो उसने ग्राम ठिकरिया में 13 बीघा जमीन दिखाई और कहा कि रतनसिंह से खरीदी है, जिसे बेचना है। 11 लाख रूपये बीघा का रेट है। जमीन देखने के बाद बालूसिंह से 1.50 करोड़ में सौदा तय कर लिया गया। 19 जुलाई 2024 को सौदा चिट्ठी पर बयाने के तौर पर 1.21 लाख रूपये नगद दिये गये। 3 अगस्त 2024 को बालूसिंह ने अनुबंध के लिये भरतपुरी कार्यालय बुलाया और सौ-सौ के 10 स्टाम्प पर अशोक राजावत और अन्य साथियों के सामने अनुबंध किया। उस दौरान 21 लाख 51 हजार नगद और 16 लाख 20 हजार का चैक दिया गया। बालूसिंह ने चैक के बदले नगद देने की बात कहीं। उसे 7 अगस्त को आईसीआईसी बैंक से 16 लाख 20 हजार भी केश कराकर दे दिये। तीन माह बाद बालूसिंह रजिस्ट्री के लिये कहा तो आनाकानी करने लगा उसने सौदा करने के समय जमीन रतनसिंह से खरीदना बताया था। रतनसिंह से संपर्क करने पर पता चला कि उसे अब तक रूपये नहीं मिले है। इसलिये रजिस्ट्री नहीं कराई है। उन्होने सौदा होने की बात कहीं तो रतनसिंह ने कहा कि बालूसिंह से बात करों। बालूसिंह से रूपये लौटाने को कहा तो उसने अलग-अगल नाम से 5 चैक दिये, जो बैंक में बाउंस हो गये। थाना प्रभारी पाटीदार के अनुसार लिखित शिकायत पर जांच के बाद पता चला कि बालूसिंह पहले भी कई लोगों से इसी तरह धोखाधड़ी कर चुका है। उसके खिलाफ नवलसिंह की ओर से धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। वर्तमान में बालूसिंह जेल में है। जिसे पूछताछ के लिये प्रोटेक्शन वारंट पर लाया जायेगा।

निमाड़ क्लब बनेगा खंडवा का आधुनिक स्पोर्ट्स एवं रिक्रिएशन हब

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खंडवा शहर को शीघ्र ही एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स एवं रिक्रिएशन सेंटर की सौगात मिलने जा रही है। निमाड़ क्लब समिति द्वारा क्लब परिसर में जिम, कैफे, क्रिकेट टर्फ, पिकलबॉल कोर्ट एवं बैंक्वेट हॉल जैसी आधुनिक सुविधाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु सार्वजनिक निजी भागीदारी अर्थात पीपीपी मॉडल पर निविदा प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। निमाड़ क्लब समिति जिले के अधिकारियों द्वारा गठित एक संस्थागत मंच है, जिसके अध्यक्ष कलेक्टर खंडवा, उपाध्यक्ष पुलिस अधीक्षक, सचिव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा अन्य वरिष्ठ जिला अधिकारी सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। समिति का उद्देश्य केवल क्लब संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा नागरिकों एवं शासकीय कर्मचारियों के लिए गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

निमाड़ क्लब परिसर में स्थित वर्षों पुराने भवनों का जीर्णोद्धार कर उन्हें आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। इस विकास का मूल उद्देश्य जिले के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों सहित सभी शासकीय सेवकों को बेहतर खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा शहरवासियों के लिए एक ऐसा समेकित परिसर विकसित करना है, जहां खेल, फिटनेस, मनोरंजन एवं सामाजिक गतिविधियों की विविध सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए निमाड़ क्लब समिति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त निविदाओं में से पात्र निविदाकारों द्वारा दिनांक 10 जून 2026 को अपने प्रस्तुतीकरण दिए गए, जिनमें प्रस्तावित सुविधाओं के संचालन की कार्ययोजना, नागरिकों को होने वाले लाभ, खेल गतिविधियों के विस्तार तथा परिसर के समग्र विकास संबंधी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। तकनीकी मूल्यांकन एवं आवश्यक दस्तावेजों के परीक्षण के उपरांत वित्तीय निविदाएं 11 जून 2026 को कलेक्टर एवं समिति सदस्यों की उपस्थिति में खोली गई, जिसमें उत्साह एरीना का चयन किया गया।

उल्लेखनीय है कि उत्साह एरीना के प्रमुख भागीदार श्री मयंक केशरे पूर्व से प्रीमियम फिटनेस जिम का सफल संचालन कर रहे है, जबकि श्री गौरव सिंह बिसेन चौपाल कैफे के संचालन का अनुभव रखते हैं। खेल एवं आतिथ्य क्षेत्र में उनके अनुभव का लाभ निमाड़ क्लब के विकास एवं बेहतर संचालन में मिलेगा। निमाड़ क्लब के पीपीपी मॉडल पर विकसित होने के बाद खंडवा के नागरिकों को पहली बार एक ही परिसर में आधुनिक जिम, उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट टर्फ, तेजी से लोकप्रिय हो रहे पिकलबॉल कोर्ट, कैफे एवं बैंक्वेट हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने किया शुभारंभ

जीवनधारा पोर्टल का शुभारंभ, सिकल सेल मरीजों एवं जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सिकल सेल बीमारी से पीड़ित मरीजों एवं आवश्यकता पड़ने पर गर्भवती महिलाओं को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संचालित जीवन धारा अभियान ङ्क एक बूंद उम्मीद की के अंतर्गत विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रविवार को जिला चिकित्सालय झाबुआ में प्रातः 10ः00 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल बीमारी एक बड़ी चुनौती है और कई बार मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ती है। पहले इस बीमारी के प्रति जागरूकता कम थी, लेकिन अब शासन के प्रयासों से लोग इसके प्रति जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने जनजातीय जिलों में सिकल सेल उन्मूलन को विशेष प्राथमिकता दी है तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इन क्षेत्रों के लिए निरंतर नई योजनाएं एवं कार्ययोजनाएं तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गर्भवती माताओं, बहनों तथा गंभीर मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह एक अत्यंत सराहनीय और जनहितकारी पहल है।

कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि विश्व रक्तदाता दिवस पूरे विश्व में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन रक्तदान के प्रति व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है। झाबुआ जिले में विशेष रूप से सिकल सेल मरीजों, गर्भवती महिलाओं तथा दुर्घटना में घायल मरीजों को रक्त की अधिक आवश्यकता होती है। कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को रेफर करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक को मजबूत बनाने तथा रक्त की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जीवन धारा अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत वर्षभर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा वर्ष 2026-27 में 5 हजार यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए वार्षिक कैलेंडर भी जारी किया गया है, जिसकी प्रथम कड़ी के रूप में यह शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने चिकित्सालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों को समय पर उपचार, समुचित सुविधाएं एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल ने बताया कि जिले में रक्त की मांग की तुलना में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह अभियान प्रारंभ किया गया है, जो पूरे वर्ष संचालित रहेगा। उन्होंने बताया कि एनीमिया भारत मुक्ति अभियान के माध्यम से भी रक्त की कमी को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत बच्चों एवं महिलाओं को नियमित रूप से आयरन की दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि एनीमिया की समस्या में कमी लाई जा सके।

मंत्री ने किया जीवनधारा पोर्टल का शुभारंभ- कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने जिला प्रशासन झाबुआ द्वारा विकसित जीवनधारा पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल रक्तदाताओं एवं जरूरतमंद मरीजों को एक मंच पर जोड़ने का कार्य करेगा। पोर्टल के माध्यम से नागरिक ऑनलाइन रक्तदाता के रूप में पंजीयन कर सकेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग कर सकेंगे। पोर्टल पर रक्तदाता पंजीयन, स्वयंसेवक पंजीयन, आपातकालीन समन्वय एवं सिकल सेल जागरूकता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

रक्तदाताओं का किया सम्मान- इस अवसर पर 38 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में रक्तदान करने वाले दानदाताओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झाबुआ निवासी श्री सूर्य प्रकाश ढाक को 39वीं बार रक्तदान करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सभी रक्तदाताओं की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारी, चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठन, रक्तदाता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

हस्तलिखित पांडुलिपियों में सुरक्षित है भारत की ज्ञान-परम्परा सैकड़ों वर्ष प्राचीन ग्रंथों का हस्तलिखित स्वरूप देखकर अभिभूत हुए विद्यार्थी

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत को विश्व में यदि किसी बात ने सबसे अधिक विशिष्ट बनाया है तो वह है उसकी समृद्ध ज्ञान परम्परा। यह वह भूमि है जहाँ वेदों, उपनिषदों, आगमों, दर्शन, गणित, ज्योतिष, साहित्य, आयुर्वेद, योग और आध्यात्मिक चिंतन की महान परम्पराएँ विकसित हुईं। हजारों वर्षों तक यह ज्ञान गुरु-शिष्य परम्परा, श्रुति परम्परा और बाद में हस्तलिखित ग्रंथों के माध्यम से सुरक्षित रखा गया।

आज भी भारत के अनेक मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में ऐसी अमूल्य पांडुलिपियाँ सुरक्षित हैं जो हमारे गौरवशाली अतीत की साक्षी हैं। इन्हीं अमूल्य धरोहरों की खोज, पहचान, सूचीकरण और संरक्षण के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ज्ञान भारतम् अभियान संचालित किया जा रहा है। बड़वानी जिले में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के नेतृत्व में इस अभियान को विशेष गति मिली है। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्राचीन पांडुलिपियों की खोज और उनका दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के विद्यार्थियों और समिति सदस्यों ने नगर के ऐतिहासिक श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर को विजिट किया, जहाँ बड़ी संख्या में प्राकृत भाषा में लिखी गई प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियाँ सुरक्षित रखी गई हैं।

जैन समाज ने सहेज रखी है ज्ञान की अमूल्य निधि मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री जिनेंद्र दोषी, उपाध्यक्ष श्री अशोक दोषी, मंत्री श्री नरेंद्र काला, श्री राजेश काला, श्री राजेश अजमेरा तथा श्री यश सेठी ने विद्यार्थियों को पांडुलिपियों का अवलोकन करवाया। उन्होंने बताया कि जैन धर्म में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। जैन परम्परा में जिनवाणी को श्रुत, श्रुतज्ञान, आगम, परमागम, दिव्यध्वनि, सरस्वती, शास्त्रजी, द्वादशांग वाणी, प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग तथा द्रव्यानुयोग जैसे अनेक विशेषणों से विभूषित किया गया है।

जैन समाज ने सदैव ज्ञान को केवल पढ़ने की वस्तु ही नहीं माना, बल्कि उसे पूजा और साधना का विषय भी माना है। यही कारण है कि सदियों से ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण की सशक्त परम्परा विकसित हुई। आज भी समाज के लोग इन ग्रंथों को अत्यंत श्रद्धा और सावधानी के साथ सुरक्षित रखे हुए हैं। महिलाओं की भूमिका ने बचाई ज्ञान-संपदा जैन समाज का महिला मंडल भी इस संरक्षण कार्य में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अध्यक्ष श्रीमती सरला गोधा और मंत्री श्रीमती सुरेखा दोषी के नेतृत्व में महिलाएँ नियमित रूप से ग्रंथों की व्यावृत्ति और देखभाल करती हैं। यही कारण है कि छह सौ वर्षों से अधिक पुराने अनेक ग्रंथ आज भी सुरक्षित अवस्था में उपलब्ध हैं। ज्ञान संरक्षण की यह परम्परा भारतीय समाज की उस चेतना को दर्शाती है जिसमें पुस्तकों को केवल वस्तु नहीं, बल्कि संस्कृति और सभ्यता का जीवंत स्वरूप माना गया है।

कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती जयति सिंह ने आगामी समय में आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा और साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिए असामाजिक तत्वो, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत 2 माह की अवधि तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक बड़वानी से प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकन के उपरान्त सहमत होते हुये जनसामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में निम्नलिखित प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। ऽ 26 जून को मोहर्रम, 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा, 3 से 28 अगस्त तक श्रावण मास, 04 अगस्त को चेहल्लुम, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस, 12 अगस्त को हरियाली अमास्या, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 17 अगस्त को नागपंचमी, 26 अगस्त को मिलाद उन नबी सहित अन्य त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए तथा पुलिस अधीक्षक के प्राप्त प्रतिवेदन के अवलोकन उपरांत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण जिले में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये है। ऽ बड़वानी जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग के आदेशानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित एवं नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण एवं कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुए थे।

प्राप्त निर्देशानुसार 14 दिसम्बर 2023 को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी द्वारा आदेश जारी कर ध्वनि की तीव्रता निर्धारित की गई है। उक्त आदेश का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। ऽ आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुये होने वाले धार्मिक आयोजनो, जुलूस आदि में तेज ध्वनि में डीजे का उपयोग प्रतिबंधित किया है। धार्मिक स्थलो एवं अन्य स्थलो में ध्वनि विस्तार यंत्रो के अनियत्रिंत एवं नियम विरूद्ध प्रयोग नियंत्रण हेतु शासन से जारी आदेशानुसार ध्वनि की त्रीवता निर्धारित की गई है। अतः उक्त आदेश का पालन किया जाना अनिवार्यतः होगा । जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किया जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के एसडीएम को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत से साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र क्रम से कम 72 घण्टे पूर्व किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजको की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम, आयोजन की वीडियोग्राफी करायेंगे।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा यह आदेश सर्व साधारण को सम्बोधित है एवं परिस्थितियॉ ऐसी है कि समय अभाव के कारण सर्वसाधारण को सूचना तामिल नहीं की जा सकती है और न ही सर्व साधारण से आपत्तियॉ प्राप्त की जा सकती है। अतः यह आदेश एक पक्षीय पारित किया जाता है। आदेश का उल्लंघन होने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा अन्य समस्त प्रावधानो के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी ।

छैगांवमाखन के जनकल्याण शिविर में 310 आवेदनों का किया निराकरण

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विकासखण्ड मुख्यालय छैगांवमाखन में आयोजित 3 दिवसीय जनकल्याण शिविर में दूसरे दिन शनिवार को मुख्य अतिथि के रूप में सांसद ज्ञानेश्वर पाटील उपस्थित रहे। शिविर की अध्यक्षता पंधाना विधायक छाया मोरे ने की। इस जन कल्याण शिविर में 487 मांग पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 310 का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया एवं शेष को संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया। शिविर में संबोधित करते हुए सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। विधायक श्रीमती छाया मोरे ने क्षेत्र के ग्रामीणजनों से कहा कि सरकार नागरिकों के समग्र विकास के लिए सतत प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से आव्हान किया कि लोक कल्याण शिविर में सम्मिलित होकर अपनी मांगों एवं समस्याओं का आवेदन दें, सभी आवेदनों का संबंधित विभाग द्वारा निराकरण किया जावेगा।

नानी बाई के मायरे का अंतिम दिवस भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आयोजित नानी बाई के मायरे के अंतिम दिवस श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा वाचक कान्हा जी भगत के मुखारविंद से प्रस्तुत कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शाम करीब 8 बजे से प्रारंभ हुई कथा का रसपान श्रद्धालु रात 1 बजे तक करते रहे। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर कथा श्रवण करते रहे और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कथा के दौरान मायरा प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। ढोल-धमाकों, मंगल गीतों और भक्ति संगीत के बीच महिला मंडल द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मायरा भरा गया। इस दौरान सर्व समाज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक बना दिया।

आयोजन में हनुमानगढ़ी समिति, गौशाला समिति, जैन समाज, दर्जी समाज, नगर परिषद एवं बड़केश्वर महादेव समिति सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने शाल-श्रीफल भेंट कर गुरुजी का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया।

अपने उद्बोधन में गुरुजी ने जीवन में धर्म, संस्कार, सेवा और सदाचार को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कथा का वास्तविक उद्देश्य केवल श्रवण नहीं, बल्कि उसमें बताए गए आदर्शों को जीवन में उतारना है। गुरुजी ने घोषणा की कि मायरे से प्राप्त होने वाली समस्त राशि हनुमानगढ़ी मंदिर के विकास कार्यों में लगाई जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। साथ ही उन्होंने सभी भक्तों से हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन-पूजन करने एवं धर्मस्थल के विकास में सहभागी बनने का आह्वान भी किया।

अंतिम दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बना दिया। भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का यह अद्भुत संगम नगरवासियों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पंवासा बनेगा सैटेलाइट स्टेशन.... 600 मीटर लंबा हाईलेवल प्लेटफॉर्म तैयार

मुख्य स्टेशन पर भीड़ कम करने की रणनीति- एफओबी, रैम्प और यात्री सुविधाओं का होगा विस्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को लेकर रेलवे ने अपनी तैयारियों को गति दे दी है। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को संभालने के लिए पंवासा रेलवे स्टेशन को सैटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां 600 मीटर लंबा स्थायी हाईलेवल प्लेटफॉर्म बनाया जा रहा है, जिसके लिए फिलहाल अर्थ वर्क का काम तेजी से चल रहा है। प्लेटफॉर्म के साथ यात्रियों की सुविधा के लिए फुट ओवरब्रिज (एफओबी), रैम्प और शेड भी तैयार किए जाएंगे।

प्रशासन और रेलवे को सिंहस्थ के दौरान करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। रेलवे का लक्ष्य है कि सभी प्रमुख निर्माण कार्य वर्ष 2027 तक पूरे कर लिए जाएं, ताकि सिंहस्थ से पहले व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार हो सकें।

मुख्य स्टेशन पर दबाव कम करेगा पंवासा- रेलवे की योजना के अनुसार सिंहस्थ के दौरान भोपाल रूट से आने वाली कई ट्रेनों को पंवासा और पिंगलेश्वर स्टेशन पर रोका जाएगा। इससे उज्जैन मुख्य रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा और भीड़ प्रबंधन आसान हो सकेगा। इन स्टेशनों को अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी सुविधाओं से लैस किया जा रहा है ताकि भविष्य में भी उनका उपयोग किया जा सके।

श्रद्धालुओं को यहां उतारने के बाद विशेष परिवहन व्यवस्था के माध्यम से मेला क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि सैटेलाइट स्टेशनों की व्यवस्था से प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसर में होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

पांच नए फ्लैग स्टेशन भी बन रहे- सिंहस्थ को देखते हुए नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, चिंतामन और विक्रमनगर में फ्लैग स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इन स्थानों पर होल्डिंग एरिया, फुट ओवरब्रिज और अन्य यात्री सुविधाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि श्रद्धालुओं की आवाजाही को विभिन्न स्थानों पर विभाजित किया जा सके और किसी एक स्टेशन पर अत्यधिक दबाव न बने।

रेलवे अफसर कर रहे लगातार मॉनिटरिंग- सिंहस्थ से जुड़े रेलवे प्रोजेक्ट्स की उच्च स्तर पर निगरानी की जा रही है। हाल ही में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे ने उज्जैन का दौरा कर विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की थी। उन्होंने उज्जैन स्टेशन के साथ नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, पंवासा, चिंतामन और विक्रमनगर स्टेशनों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति जानी थी।

7800 ट्रेनों के संचालन की तैयारी- रेलवे के अनुसार सिंहस्थ-2028 के दौरान देशभर से करीब 7800 ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रेलवे नेटवर्क, प्लेटफॉर्म क्षमता और यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

क्या बोले अधिकारी- मुकेश कुमार, जनसंपर्क अधिकारी, पश्चिम रेलवे ने बताया कि सिंहस्थ को देखते हुए पंवासा स्टेशन पर हाईलेवल प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य जारी है। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए कवर, रैम्प और फुट ओवरब्रिज भी बनाया जाएगा, जिससे आवागमन आसान और सुरक्षित हो सके।

बदमाश रौनक नरसिंहपुर केन्द्रीय जेल स्थानांतरित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुख्यात गुर्जर गैंग के बदमाश रौनक गुर्जर की अपराधिक गतिविधियों को देखते हुए उसे केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ से नरसिंहपुर केन्द्रीय जेल स्थानांतरित किया गया है।

ढांचा भवन में रहने वाले कुख्यात बदमाश रौनक पिता मनोहर गुर्जर को चिमनगंज थाना पुलिस द्वारा कुछ दिनों पहले फर्जी गोलीकांड के मामले में गिरफ्तार कर केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ जेल भेजा था। बदमाश रौनक के खिलाफ दर्जनों संगीन अपराध है। वह गैंग के माध्यम से शहर में दहशत फैलाने का काम भी करता है। उसकी अपराधिक गतिविधियों को देखते हुए जेल मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी आदेश पर केंद्रीय जेल उज्जैन से केंद्रीय जेल नरसिंहपुर स्थानांतरण किया गया है। जेल अधीक्षक मनोज साहू ने बताया कि विचाराधीन बंदी रौनक गुर्जर को आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 457 तथा मध्यप्रदेश जेल नियमावली, 1968 के नियम 791 (एफ) के अंतर्गत प्रदत्त प्रावधानों के तहत स्थानांतरित किया गया है। यह निर्णय प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केंद्रीय जेल उज्जैन प्रशासन द्वारा बंदी से संबंधित आवश्यक अभिलेख, न्यायालयीन दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड तैयार कर नियमानुसार केंद्रीय जेल नरसिंहपुर को हस्तांतरित किये गये है। केंद्रीय जेल नरसिंहपुर प्रशासन द्वारा बंदी को नियमानुसार दाखिल कर जेल नियमों के अनुरूप रखा जाएगा।

विश्व रक्तदान दिवस पर जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में रविवार को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया ने बताया कि रक्तदान शिविर में नागरिकों द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई तथा कुल 65 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए।

शिविर के दौरान रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व, इसके स्वास्थ्य लाभों एवं सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई। रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित प्रक्रिया के तहत रक्त संग्रह किया गया।

सोमवती अमावस्या आज... रामघाट और सोम कुंड में हजारों श्रद्धालु लगाएंगे डुबकी

अधिकमास की अंतिम अमावस्या पर विशेष स्नान- रामघाट और सोम कुंड पर प्रशासन ने किए इंतजाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन में आज सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा। अधिकमास की अंतिम अमावस्या होने के कारण रामघाट और सोम कुंड पर विशेष स्नान का महत्व माना जा रहा है। रविवार दोपहर से ही अमावस्या तिथि प्रारंभ होने के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामघाट पहुंचने लगे थे, जबकि सोमवार सुबह से मुख्य स्नान शुरू होगा।

प्रशासन और नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रामघाट तथा रणजीत हनुमान मंदिर के सामने स्थित सोम कुंड पर विशेष व्यवस्थाएं की हैं। सोम कुंड को बोरिंग के पानी से भरकर स्नान योग्य बनाया गया है तथा पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई, छाया और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

एक दिन पहले ही बढ़ी श्रद्धालुओं की भीड़- रविवार को दोपहर बाद से ही रामघाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई थी। कई श्रद्धालुओं ने अमावस्या तिथि लगने के साथ ही क्षिप्रा में स्नान कर पूजा-अर्चना की। सोमवार को सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

रामघाट पहुंचने के लिए बदला गया मार्ग- रामानुजकोट से रामघाट जाने वाला मुख्य मार्ग चौड़ीकरण कार्य के कारण बंद है। ऐसे में श्रद्धालुओं को शहनाई गार्डन के सामने से दानी गेट होते हुए रामघाट तक पहुंचना होगा। वहीं छोटी पुलिया पर निर्माण कार्य चलने के कारण सोम कुंड जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़े पुल का उपयोग करना पड़ेगा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम- भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घाटों पर पुलिस बल और सुरक्षा जवान तैनात किए गए हैं। सोम कुंड क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर व्यवस्थित तरीके से श्रद्धालुओं की आवाजाही सुनिश्चित की जा रही है।

तराना में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्टीय योग दिवस 21 जून तक चल रही विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को जनपद पंचायत तराना के तत्वावधान में विकासखंड स्तरीय जनकल्याण शिविर का आयोजन कृषि उपज मंडी प्रांगण, तराना में किया गया। शिविर का आयोजन श्री ब्रजेश सक्सेना, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व अनुभाग) तराना के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख अतिथिगणों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर श्री ईश्वर सिंह जिगर जिला पंचायत सदस्य, श्री ओम प्रकाश राजोरिया जिला पंचायत सदस्य, श्री नारायण सिंह गुर्जर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत तराना, श्री लक्ष्मण सिंह बड़ाल मार्केटिंग सोसायटी अध्यक्ष, श्री राम सिंह बड़ाल किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष, श्री यशवंत सिंह आंजना मण्डल अध्यक्ष तराना ग्रामीण, श्री धर्मेंद्र जी डॉन मण्डल अध्यक्ष कनासीया आदी।

उज्जैन में विज्ञान का नया संसारः एमपी का पहला साइंस सेंटर बना बच्चों और युवाओं का आकर्षण

एक माह तक निश्शुल्क प्रवेश, प्लेनेटेरियम में अंतरिक्ष की रोमांचक यात्रा और खेल-खेल में विज्ञान सीखने का अवसर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश का पहला साइंस सेंटर उज्जैन में शुरू होने के बाद से बच्चों, युवाओं और विज्ञान प्रेमियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अप्रैल माह में इसका लोकार्पण किए जाने के बाद अब यह सेंटर आम नागरिकों के लिए खोल दिया गया है। विशेष बात यह है कि शुरुआती एक माह तक यहां प्रवेश पूरी तरह निश्शुल्क रखा गया है, जिससे बड़ी संख्या में लोग विज्ञान की रोचक दुनिया को करीब से जानने पहुंच रहे हैं।

उज्जैन की प्राचीन खगोलीय परंपरा और वैज्ञानिक विरासत को ध्यान में रखते हुए साइंस सेंटर में अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां बनाई गई एस्ट्रोनॉमी गैलरी में ग्रहों, तारों, ब्रह्मांड और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी जानकारियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। गैलरी में भारतीय वैज्ञानिक उपलब्धियों और देश की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विरासत को भी आकर्षक तरीके से प्रदर्शित किया गया है।

इंटरएक्टिव मॉडल से आसान हो रही विज्ञान की पढ़ाई- सेंटर की साइंस फन गैलरी बच्चों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। यहां लगाए गए इंटरएक्टिव मॉडल बच्चों को खेल-खेल में विज्ञान के सिद्धांत समझने का अवसर देते हैं। जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल और मनोरंजक तरीके से समझाने के लिए विभिन्न प्रयोगात्मक उपकरण लगाए गए हैं। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि बढ़ रही है।

साइंस पार्क में प्रत्यक्ष अनुभव से सीख- साइंस सेंटर परिसर में विकसित साइंस पार्क भी आकर्षण का केंद्र है। यहां गुरुत्वाकर्षण, गति, संतुलन, ऊर्जा और अन्य वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित मॉडल स्थापित किए गए हैं। बच्चे इन उपकरणों का उपयोग कर विज्ञान के नियमों को प्रत्यक्ष रूप से समझ रहे हैं। यह पार्क विद्यार्थियों के लिए खुली प्रयोगशाला जैसा अनुभव प्रदान कर रहा है।

प्लेनेटेरियम में 3ष्ठ-4ष्ठ तकनीक का अद्भुत अनुभव- साइंस सेंटर का आधुनिक प्लेनेटेरियम दर्शकों को अंतरिक्ष की रोमांचक यात्रा पर ले जाता है। यहां 3ष्ठ-4ष्ठ तकनीक पर आधारित विशेष फिल्में प्रदर्शित की जा रही हैं। वॉयजर = द नेवर एंडिंग जर्नी और डॉन ऑफ द स्पेस एज जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से अंतरिक्ष विज्ञान, ग्रहों की दुनिया और मानव अंतरिक्ष अभियानों की जानकारी रोचक ढंग से दी जा रही है। दर्शकों को ऐसा अनुभव होता है मानो वे स्वयं अंतरिक्ष यात्रा का हिस्सा हों।

सुबह 10 से शाम 6 बजे तक खुला रहेगा केंद्र- साइंस सेंटर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। एक माह तक प्रवेश निश्शुल्क है, जबकि प्लेनेटेरियम शो के लिए सामान्य नागरिकों से 50 रुपए शुल्क लिया जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए रियायती दरें निर्धारित की गई हैं।

नागपुर-बिहार के तस्करों को फिर 19 जून तक रिमांड पर लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिमनगंज थाना पुलिस ने गरोठ हाइवे ब्रिज के नीचे से 8 जून की रात स्वीफ्ट डिजायर कार क्रमांक एमएच 13 एफआर 2515 में सवार पंकज पिता श्यामराव चरड़े 34 साल निवासी प्रभासिटी पवनगांव नागपुर महाराष्ट्र और अमित पिता महेन्द्र तिवारी 20 साल निवासी बिहार हाल मुकाम जयसिंहपुरा को 1 किलो एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों को पूछताछ के लिये 13 जून तक रिमांड पर लिया गया था। शनिवार को रिमांड अवधि पूरी होने पर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दोबारा 19 जून तक पूछताछ के लिये रिमांड अवधि बढ़वाई गई है। एएसआई दिनेश सरोठिया के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में पंकज ने मंदसौर के सीमामऊ स्थित करणसिंह से ड्रग्स लाना बताया था। जिसकी तलाश में टीम पहुंची थी लेकिन वह फरार होना सामने आया था। दोनों की मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली गई है। जिसके आधार पर कुछ ओर जानकारी सामने आई है। पंकज के खिलाफ नागपुर में पहले भी मादक पदार्थ का मामला दर्ज है। अमित बिहार का रहने वाला है। उसके परिजन उज्जैन में पंडिताई करते है। अमित ने भी यहां आकर पंडिताई शुरू कर दी थी। कुछ समय पहले पंकज महिला मित्र के साथ उज्जैन आया था। तभी दोनों की पहचान हुई थी। जिसके बाद दोनों मादक पदार्थ का अवैध कारोबार करने लगे। मादक पदार्थ के साथ खाचरौद पुलिस ने भी 7 जून को एक नाबालिग युवती के साथ बबलू पिता गोपाल, कृष्णपाल पिता अशोक और प्रदीप पिता रामेश्वर निवासी मंदसौर को गिरफ्तार किया था। जिसके पास से डोडाचूरा और अफीम मिली थी। तीनों युवकों को रिमांड पर लिया गया था। शनिवार को रिमांड खत्म होने पर जेल भेजा गया है। पूछताछ में तीनों ने गणेश पिता रणछोड़ निवासी खजूरिया सारंग मंदसौर से मादक पदार्थ लाना कबूल किया था लेकिन गणेश गिरफ्त में नहीं आ सका।

कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सरोवर रेस्टोरेंट फ्रीगंज उज्जैन का निरीक्षण कर कार्यवाही की गई

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में जिले में लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 14 जून को सोशल मीडिया पर प्राप्त शिकायत के आधार पर सरोवर रेस्टोरेंट फ्रीगंज उज्जैन का निरीक्षण कर समोसा, समोसा मसाला, कचौरी का मसाला के नमूने लिये गये। उपरोक्त सभी नमूनें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये। प्रतिष्ठान पर मौके पर पाई गई कमियाँ जैसे व्यैक्तिक स्वच्छता, पेस्ट कंट्रोल, मेडिकल परीक्षण, रखरखाव आदि के सुधार के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना पत्र जारी किया गया। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

मां नर्मदा मंदिर पर छप्पन भोग लगाए गए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महानंदा नगर स्थित नार्मदीय ब्राह्मण समाज की धर्मशाला के प्रांगण में स्थित उज्जैन शहर के एकमात्र मां नर्मदा के मंदिर पर समाज के आचार्य पंडित सुरेश चंद्र चांद्रायण जी की प्रेरणा से सभी सामाजिक बंधुओं द्वारा छप्पन भोग लगाए गए।

पुरुषोत्तम मास समापन अवसर पर शनिवार शाम 5ः00 बजे समाज के सभी पुरुष/ महिलाओं द्वारा समाज की धर्मशाला ÷नर्मदा मंगलम÷ के प्रांगण में स्थित मां नर्मदा मंदिर पर एकत्रित होकर सामूहिक विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ, नर्मदा अष्टक, शिवाष्टक पाठ किया गया। तत्पश्चात छप्पन भोग लगाकर मां नर्मदा जी की आरती की गई।

इस पुण्य अवसर पर समाज की वरिष्ठ दानदाता श्रीमती उर्मिला बेनी माधव जी पाराशर की ओर से भोजन प्रसादी (भंडारे)का आयोजन भी रखा गया था।

ढाबा रोड पर खुदाई में फूटी पेयजल लाइन, मलबा बना कीचड़

लोगों का निकलना हुआ मुश्किल - रहवासियों ने उठाए व्यवस्था पर सवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढाबा रोड पर सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान एक बार फिर पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। सत्यनारायण मंदिर के समीप ठेकेदार द्वारा की जा रही खुदाई के दौरान पीएचई की पाइपलाइन फूट गई, जिससे बड़ी मात्रा में पानी बहने लगा। पानी फैलने से सड़क किनारे पड़े मलबे के ढेर कीचड़ में तब्दील हो गए और रविवार सुबह क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र में पहले से ही सड़क चौड़ीकरण के कारण टूटे हुए मकानों का मलबा फैला हुआ है। ऐसे में पाइपलाइन फूटने से हालात और खराब हो गए। लोगों को कीचड़ और गंदगी के बीच होकर गुजरना पड़ा। कई स्थानों पर फिसलन की स्थिति भी बन गई। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि शहर में जहां-जहां सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है, वहां खुदाई के दौरान बार-बार पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या खुदाई शुरू करने से पहले ठेकेदारों को भूमिगत पाइपलाइन की जानकारी नहीं दी जाती या फिर काम में लापरवाही बरती जा रही है।

रहवासियों का कहना है कि बार-बार पाइपलाइन फूटने से न केवल पेयजल की बर्बादी हो रही है, बल्कि आम लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि बार बार पाईपलाईन फूटने की घटनाएं कहीं साजिश तो नहीं?

ढाई साल बाद मोबाइल में मिले सुसाइड नोट से खुला आत्महत्या का राज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षिप्रा नदी में कूदकर आत्महत्या करने वाले युवक के मामले में 33 माह बाद उसके मोबाइल से जान देने की वजह सामने आ गई। मामले में तथ्यों के आधार पर नाबालिग रही युवती और उसके दोस्त के खिलाफ धारा 306, 34 भादवि का प्रकरण दर्ज किया गया है।

जवाहर नगर में रहने वाले यश पिता श्याम सिसौदिया 2 अगस्त 2023 को लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी नीलगंगा थाने में दर्ज कराई थी। 2 दिन बाद यश का शव क्षिप्रा नदी बड़े पुल के पास सुनहरी घाट से लाश मिलना सामने आया था। जिसकी जेब से मोबाइल भी मिला था। लेकिन पानी में भीगने की वजह से पूरी तरह बंद हो चुका था। जीवाजीगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। मामला आत्महत्या होना सामने आया था लेकिन वजह सामने नहीं आ पाई थी। पुलिस ने मृतक के पास मिले मोबाइल का डाटा खंगालने का प्रयास शुरू किया था। मोबाइल चालू नहीं होने पर सायबर टीम के पास भेजा गया। जहां तकनीकी तरीकों से मोबाइल का डाटा निकालने पर काम शुरू किया। 33 माह बाद पता चला कि आत्महत्या से पहले यश ने मोबाइल वाट्सएप पर सुसाइड नोट लिखा था। जिसमें उसने नाबालिग युवती और सौरभ सूर्यवंशी निवासी वेदनगर के नाम का उल्लेख कर झूठे मामले में फंसाकर रूपयों की मांग करने की बात लिखी थी। यश ने उक्त सुसाइड नोट स्टोरी पर अपलोड करने का प्रयास किया था लेकिन वह अपलोड नहीं हो पाया था। सायबर से जांच रिपोर्ट जीवाजीगंज थाना पुलिस के पास पहुंची। मामले में थाना प्रभारी प्रतिक शर्मा ने बताया कि मोबाइल में मिले सुसाइड नोट और परिजनों के साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर आत्महत्या की वजह सामने आने पर सौरभ सूर्यवंशी और नाबालिग रही युवती के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

6 माह में महाकालेश्वर मंदिर में चोरी, ठगी और मारपीट के एक दर्जन मामले

भस्म आरती में प्रवेश दिलाने और शीघ्र दर्शन कराने के नाम पर ठगी, विवादों में मारपीट की घटनाएं भी शामिल

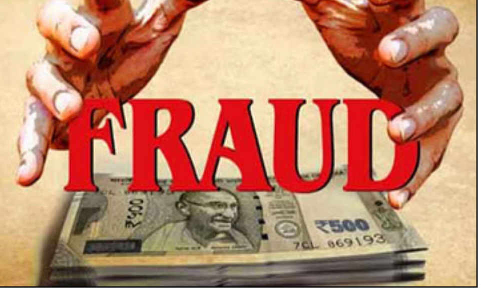

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन बढ़ती भीड़ के बीच अपराध की घटनाएं भी चिंता का विषय बनती जा रही हैं। इस वर्ष 1 जनवरी से अब तक मंदिर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के साथ चोरी, ठगी और मारपीट की कुल 12 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन सभी मामलों में महाकाल थाना पुलिस ने शिकायत मिलने पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि वर्ष 2026 के शुरुआती छह महीनों में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं के साथ विभिन्न प्रकार की आपराधिक घटनाएं हुई हैं। इनमें जेब और मोबाइल चोरी, भस्म आरती में प्रवेश दिलाने के नाम पर ठगी, शीघ्र दर्शन कराने का झांसा देकर पैसे ऐंठने तथा दर्शन व्यवस्था को लेकर हुए विवादों में मारपीट के मामले शामिल हैं। मंदिर समिति और पीड़ित श्रद्धालुओं की शिकायतों के आधार पर कुल 12 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। महाकाल मंदिर देश के सबसे प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं। विशेष पर्व, अवकाश और सप्ताहांत पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। भीड़ का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व चोरी और ठगी जैसी वारदातों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में श्रद्धालुओं को भस्म आरती में प्रवेश दिलाने या विशेष दर्शन कराने का लालच देकर उनसे रकम वसूलने की शिकायतें भी सामने आई हैं। वहीं कुछ मामलों में दर्शन व्यवस्था और लाइन में आगे-पीछे होने को लेकर विवाद बढ़ने पर मारपीट की घटनाएं भी हुई हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। मंदिर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान भी की जाती है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस और मंदिर प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के बहकावे में न आएं, भस्म आरती या विशेष दर्शन के नाम पर किसी को पैसे न दें तथा अपने कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या परेशानी होने पर तुरंत पुलिस सहायता केंद्र अथवा मंदिर प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी गई है। लगातार सामने आ रहे मामलों ने मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि देशभर से बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु सुरक्षित और निर्बाध रूप से दर्शन कर सकें।